संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 186
पृष्ठ 8
शुक्रवार
27 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आंखें बता देती है किडनी का... | विचार- इधर-उधर की बात न कर, तू बता... | खेल- 1770 करोड़ नेटवर्थ, ग्लैमर-खूबसूरती...

मुख्यमंत्री ने किया सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के गोरखपुर सेंटर का उद्घाटन, बोले-

विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ा सकती है टेक्नोलॉजी

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेक्नोलॉजी विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ा सकती है। हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। प्रदेश सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए। बजट में टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। जब हम तकनीक नहीं अपनाते, उससे परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं। जब प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं तो प्रगति की जगह दुर्गति की ओर जाते हैं। हमें प्रगति का अनुसरण करना है। सीएम योगी गुरुवार को गीडा गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया एसटीपीआई के गोरखपुर सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे युवाओं में बहुत टैलेंट है। उसके टैलेंट को जब टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ते हैं तो वह प्रतिभा को कई गुना तेजी के साथ आगे बढ़ाने में सफल होता है। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों

में देश में किया है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। युवाओं में स्केल तो था लेकिन उसे 2014 के पहले की सरकारों ने महत्व नहीं दिया। स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया, कोई प्लेटफार्म नहीं उपलब्ध कराया। युवा हतोत्साहित था, पलायन करता था। युवाओं के मन में निराशा थी। 2014 के बाद एक–एक कर हर क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। न केवल भारत सरकार के स्तर पर बल्कि हर जनपद स्तर पर युवाओं के स्केल को स्किल में बदलने के लिए अनेक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। कार्यक्रमों की श्रृंखला में एसटीपीआई का गोरखपुर केंद्र भी अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका शुभारंभ वासन्तिक नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर होना अत्यंत शुभ लक्षण है। एसटीपीआई का सेंटर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। स्टार्टअप चलाने वाला व्यक्ति केवल अपना कंप्यूटर लेकर वहां जाएगा। बिजली कनेक्शन और अन्य जन सुविधाओं की चिंता नहीं करनी है। गोरखपुर में पहली बार इसे शुरू किया जा रहा है। प्लग एंड प्ले मॉडल पर यहां के युवाओं को अपने स्टार्टअप के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध हुआ है। 15 अप्रैल को गोरखपुर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर आफ एक्सीलेंस का शुभारंभ भी हो जाएगा। सेंटर आफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमपीआईटी में बना है। 11 वर्ष के अंदर स्टार्टअप संस्कृति को आगे बढ़ाने का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में 20 हजार से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं और इनमें से आधे महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। हर व्यक्ति के अंदर प्रतिभा है, लेकिन हुनर को मंच चाहिए। ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी को भविष्य की ऊर्जा बताते हुए कहा कि सरकार गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एमएमएमयूटी में ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनवा रही है। 50 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। एनर्जी के लिए हमें किसी अन्य देश पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी एक माध्यम बनने वाला है। हम लोग हाल में जापान गए थे। जापान के साथ हमारी बातचीत हुई है। जापान में ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी काफी एडवांस्ड स्टेज में है। हम उनसे मिलकर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। आईआईटी कानपुर व एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडिटेक, कानपुर में लेदर व ड्रोन टेक्नोलॉजी और नोएडा–ग्रेटर नोएडा में रोबोटिक्स के सेंटर आफ एक्सीलेंस विकसित करने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। सरकार विश्व बैंक के साथ मिलकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के 28 जिलों और बुंदेलखंड के सात जिलों में एग्रीटेक पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि बीते नौ वर्षों में गोरखपुर के विकास में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। यहां एम्स, खाद कारखाना, पिपराइच चीनी मिल बनी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक बना। आयुष विश्वविद्यालय, कई पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग संस्थान बने। स्केल डेवलपमेंट के केंद्र बने। चारों ओर हाईवे और फोरलेन की कनेक्टिविटी हुई। गोरखपुर से अंदर की सड़कों को लेकर, अन्य तमाम प्रकार की सुविधाओं को लेकर काम हुए।

यूपी गैंगस्टर एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, याचिकाओं को एक साथ जोड़ने का दिया आदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। अदालत ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़ने का आदेश दिया है। अब इन सभी मामलों की सुनवाई तीन जजों की विशेष बेंच करेगी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब देशभर में संगठित अपराध पर सख्त कानूनों को लेकर बहस जारी है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश कर रहे थे, ने कहा कि अलग–अलग अदालतों में चल रही याचिकाओं को एक साथ सुनना जरूरी है ताकि एक समान और स्पष्ट फैसला दिया जा सके। कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी इस मामले में पक्षकार बनाया है। यह कानून 1986 में बनाया गया था, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध, डकैती और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाना है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील ने कहा कि इस कानून की कुछ धाराएं संविधान के खिलाफ हैं और इनकी वैधता पर सवाल

उठाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अलग–अलग बेंच में एक जैसे मामलों की सुनवाई से भ्रम की स्थिति बन रही है। कोर्ट ने इन सभी याचिकाओं को टैग करने का आदेश देते हुए कहा कि अब एक ही बेंच इस पर फैसला करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों में भी संगठित अपराध से निपटने के लिए इसी तरह के कानून बनाए गए हैं। इन कानूनों का मकसद अपराधी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करना और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाना है। सुनवाई के दौरान बेंच हंटिंग यानी मनचाही बेंच चुनने का मुद्दा भी उठा। हालांकि याचिकाकर्ता पक्ष ने इससे इनकार किया और कहा कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पहले खारिज हुई याचिका को अंतिम कानूनी फैसला नहीं माना जा सकता क्योंकि उस पर विस्तार से सुनवाई नहीं हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि सभी लंबित याचिकाएं तीन जजों की बेंच के सामने रखी जाएं। जो मामले पहले से आंशिक रूप से सुने जा चुके हैं, उन्हें ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। अब इस मामले में आने वाला फैसला न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि अन्य राज्यों के ऐसे कानूनों पर भी असर डाल सकता है।

उमर का सख्त एलान-कुछ दिनों के लिए पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे

जम्मू,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल पंपों के बाहर डेरा डालना बंद करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर वे अगले कुछ दिनों के लिए सभी पेट्रोल पंप बंद कर देंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार की बात कोई नहीं सुनता। इसके बजाय, हर कोई अफवाहों पर विश्वास करता है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया था। बैठक में पाया गया कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि कुछ दिनों बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। कहीं भी उपयोग कम करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों से अपील की है जो सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर कतार में लग रहे हैं। उन्होंने उनसे ऐसा न करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की बात पर ध्यान नहीं दिया जाता। लोग सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर अधिक भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेल और गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। यह जानकारी पिछली समीक्षा बैठक में भी सामने आई थी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने बताया कि कल प्रधानमंत्री मोदी के साथ सभी मुख्यमंत्रियों की एक ऑनलाइन बैठक है।

राहुल जाति के नाम पर लोगों को उकसा रहे-निशिकांत दुबे

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर समाज में विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया है। दुबे ने कहा कि सभी लोग सोनिया गांधी के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हैं और उन्हें दुनिया के सर्वोत्तम डॉक्टरों से इलाज मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व आज भी काफी हद तक सोनिया गांधी की वजह से बना हुआ है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी के एक हालिया बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लोगों से अस्पतालों में डॉक्टरों की जाति पूछने की बात कही थी। दुबे ने कहा कि राहुल गांधी ने अपोलो अस्पताल में जाकर पूछने को कहा है कि कौन सा डॉक्टर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का है? दुबे ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी किसी डॉक्टर से उसकी जाति नहीं पूछी। दुबे के मुताबिक, इस तरह के बयान देश के आम लोगों को भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश हैं।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं, देश में 60 दिन का तेल भंडार मौजूद

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक और दुष्प्रचार पर ध्यान न दें, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट पैदा करना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडारण (कच्चे) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मध्य पूर्व संकट के 27वें दिन भी देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कहा, हर भारतीय के लिए लगभग दो महीने की निरंतर आपूर्ति उपलब्ध है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। साथ ही अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की

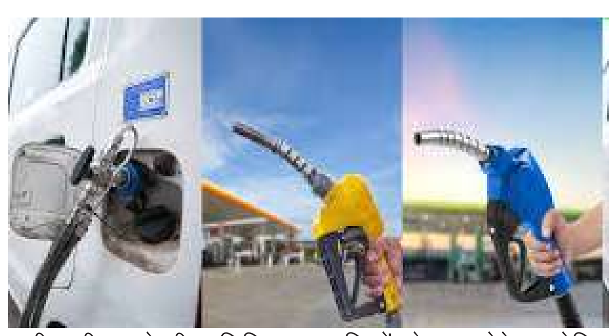

खरीद भी पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कुछ देशों में जहां ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि, राशनिंग, ऑड–ईवन नियम और पेट्रोल पंप बंद होने जैसी स्थिति है, वहीं भारत में ऐसी किसी भी आपातकालीन उपाय की जरूरत नहीं है। सरकार की ओर से कहा गया है कि कुछ जगहों पर घबराहट में ईंधन खरीदने की घटनाएं सामने आईं, लेकिन सरकार ने इसे सोशल मीडिया पर फैलाए गए भ्रामक वीडियो का परिणाम बताया। इसके बावजूद सभी उपभोक्ताओं को ईंधन उपलब्ध कराया गया और तेल कंपनियों ने रातभर डिपो चलाकर सप्लाई बढ़ाई। सरकार ने पेट्रोल पंप मालिकों को राहत देते हुए क्रेडिट सीमा 1 दिन से बढ़ाकर 3 दिन कर दी है, ताकि कार्यशील पूंजी की कमी के कारण किसी भी पंप पर ईंधन की कमी न हो। मंत्रालय ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की मौजूदा स्थिति के बावजूद भारत अपने 41 से अधिक वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से पहले की तुलना में अधिक कच्चा तेल मिल रहा है। देश की सभी रिफाइनरियां 100प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चल रही हैं और अगले 60 दिनों के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले से तय है। एलपीजी को लेकर भी सरकार ने किसी तरह की कमी से इनकार किया है। मंत्रालय के अनुसार, घरेलू उत्पादन में 40प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे रोजाना उत्पादन 50 हजार मीट्रिक टन(टीएमटी) तक पहुंच गया है, जो कुल आवश्यकता का 60प्रतिशत से अधिक है। अब आयात की दैनिक जरूरत घटकर 30 टीएमटी रह गई है। इसके अलावा, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों से 800 टीएमटी एलपीजी की खेप पहले से रास्ते में है, जो देश के 22 आयात टर्मिनलों पर पहुंचेगी। सरकार ने कहा, लगभग एक महीने की एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सुनिश्चित है और अतिरिक्त खरीद लगातार जारी है। तेल कंपनियां रोजाना 50 लाख से अधिक सिलिंडर की होम डिलीवरी कर रही हैं। कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए व्यावसायिक सिलिंडरों का आवंटन 50: तक बढ़ाया गया है। सरकार पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को भी बढ़ावा दे रही है, क्योंकि यह सस्ता, सुरक्षित और पर्यावरण के लिए बेहतर है। भारत रोजाना 92 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति माह (एमएमएससीएमडी) गैस खुद पैदा करता है।

न्यायिक निर्णय प्रक्रिया में जिन लोगों के नाम हटेंगे, टीएमसी करेगी उनकी मदद-ममता

कोलकाता,एजेंसी। मुख्यमंत्री ने बुधवार दोपहर पश्चिम बर्दवान जिले के पांडवेश्वर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ष्जिन वोटरों के नाम न्यायिक प्रक्रिया में हटा दिए जाएंगे, उन्हें तृणमूल कांग्रेस की तरफ से कानूनी मदद दी जाएगी। हम उनके लिए वकीलों का इंतजाम करेंगे।ष् उनकी यह घोषणा भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की उस जानकारी के एक दिन बाद आई है, जिसमें बुधवार शाम को बताया गया था कि न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजे गए 60 लाख मामलों में से, मंगलवार रात तक 32 लाख मामलों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, और उन 32 लाख मामलों में से लगभग

40 प्रतिशत मामले ऐसे पाए गए जिन्हें हटाया जा सकता है। हालांकि, न्यायिक प्रक्रिया से हटाए गए इन वोटरों को, इस काम के लिए बनाए गए 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों में से किसी एक के पास जाने का मौका मिलेगा। इस मौके पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने एक बार फिर कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए खास पहल करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, वे हम पर चाहे जैसे भी हमले करें, लेकिन आखिर में जीत तृणमूल कांग्रेस की ही होगी। इस प्रक्रिया में महिलाओं को आगे बढ़कर मुख्य भूमिका निभानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा चुनावी धांधली के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा, वे लॉकडाउन का सहारा भी ले सकते हैं, जैसा कि कोविड–19 महामारी के दौरान किया गया था। लेकिन हमें लड़ना आता है। अगर हम महामारी के दौरान लड़ पाए थे, तो हम अब भी लड़ पाएंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनावों को कुरुक्षेत्र का महायुद्ध भी बताया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस पांडवों का और भाजपा कौरवों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने एलपीजी बुकिंग के नियमों को लेकर केंद्र सरकार पर भी हमला बोला और कहा, कल मैंने सुना कि गैस बुकिंग की अवधि घटाकर 25 दिन कर दी गई है।

एलपीजी संकट पर अखिलेश यादव का भाजपा पर तंज, एक कचौरी, एक समोसा... अब गैस पर नहीं भरोसा

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की कमी की खबरों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों ने नागरिकों, विशेषकर पिछड़े दलित और अल्पसंख्यक समुदायों पर बोझ डाला है और उन्हें कठिनाइयों में धकेल दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कतारों के सिवा कुछ नहीं दिया। उनका जो भी फैसला होता है, उससे मैं, आप और हर कोई एक कतार में खड़ा हो जाता है। लेकिन इस बार जनता ने भी ठान लिया है कि कतार में खड़े होकर भी वे उन्हें हराएंगे। और इसीलिए वे सार्वजनिक स्थानों पर स्नेह प्रदर्शन से डर रहे हैं। अखिलेश ने आगे कहा कि एक कचौरी, एक समोसा अब गैस पर भरोसा नहीं रहा और एलपीजी को लपाता गैस करार दिया। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की सामाजिक मुद्दों की समझ की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग एआई का पूरा नाम ही नहीं जानते, वे पीडीए को कैसे समझेंगे? वे पीडीए के दर्द और पीड़ा को कैसे समझेंगे? वे उनके अपमान को कैसे समझेंगे? वे उनकी परेशानियों को कैसे समझेंगे? पीड़ा जितनी बढ़ेगी, पीडीए उतना ही बढ़ता रहेगा। यादव ने आगे कहा कि उनकी पार्टी पीडीए के मुद्दे पर लोगों को एकजुट करने के लिए काम कर रही है, और कहा कि इसलिए, पीडीए के लोगों को सम्मान दिलाने के लिए, हम समाजवादी लोग पीडीए के लोगों को एकजुट करके आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा की चुनावी रणनीतियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने

संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि शायद यह दुनिया की पहली राजनीतिक पार्टी है जो किसी की छवि को धूमिल करने के लिए पैसा खर्च करती है। भारतीय जनता पार्टी के लोग छवि खराब करने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रहे हैं। और लोगों से अपनी प्रशंसा पाने के लिए वे प्रोत्साहन राशि बांट रहे हैं। प्रोत्साहन राशि खत्म होते ही लोग प्रशंसा करना बंद कर देंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कल्याणकारी उपायों की एक लंबी सूची प्रस्तुत की और महिला आरक्षण तथा जाति आधारित अधिकारों पर पार्टी के रुख को दोहराया। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह निर्णय आधी आबादी के लिए है। जहां भी समाजवादी पेंशन योजना शुरू होगी, वहां लैपटॉप दिए जाएंगे और साथ ही गरीब परिवारों को सम्मान के प्रतीक के रूप में 40,000 रुपये देने की योजना भी शुरू की जाएगी। सम्मान समृद्धि योजना और स्त्री सम्मान योजना को समाजवादी सरकार के कार्यकाल में ही लागू किया जाएगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की कमी की खबरों के बीच भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों ने नागरिकों, विशेषकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों पर बोझ डाला है और उन्हें कठिनाइयों में धकेल दिया है।

1984 के सिख विरोधी दंगों के आरोपियों की याचिकाएं खारिज, कार्रवाई रद्द करने की लगाई थी गुहार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े सात विभिन्न मामलों में आरोपियों की ओर से दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग में याचिकाएं खारिज कर दीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े सात विभिन्न मामलों में आरोपियों की ओर से दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग में याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा कि मानवता के खिलाफ अपराधों में केवल समय बीतने या पुराने रिकॉर्ड की अनुपलब्धता को कार्यवाही रोकने का आधार नहीं बनाया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने प्रदीप अग्रवाल, जसवंत, राघवेंद्र त्रिपाठी, हरिकांत तिवारी और प्रकाश नारायण पांडेय की अलग–अलग

याचिकाओं पर दिया है। नौबस्ता थाने में 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मौत के बाद हुए दंगे में याचियों के खिलाफ विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सभी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में मुकदमा लंबित है। याचियों ने समन आदेश सहित मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने की मांग कर हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले के मूल रिकॉर्ड (प्राथमिकी, अंतिम रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि) उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में कोई प्रभावी सुनवाई नहीं हो सकती।

एसआईटी की ओर से दर्ज गवाहों के बयानों ने उनकी पहचान पर गंभीर संदेह पैदा किया। यह भी दलील दी कि आरोपी घटना के समय मौजूद नहीं थे। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों की दोबारा जांच के आदेश दिए थे, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। ऐसे में ट्रायल जारी रखा जाए। कोर्ट ने कहा कि दंगों के दौरान निर्दोष लोगों की हत्या और संपत्तियों को जलाने जैसे जघन्य अपराध हुए थे, जिन्हें तकनीकी आधार पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ट्रायल कोर्ट में साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है। इसलिए हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

पारिवारिक विवाद में पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी पति को पुलिस ने पकड़ा

प्रयागराज। झूंसी के चमनगंज इलाके में पारिवारिक विवाद में एक महिला की उसके पति ने पीट–पीटकर हत्या कर दी। विवाद के दौरान पति ने लोहे का प्रेस पत्नी के सिर पर मार दिया। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। झूंसी के चमनगंज इलाके में पारिवारिक विवाद में एक महिला की उसके पति ने पीट–पीटकर हत्या कर दी। विवाद के दौरान पति ने लोहे का प्रेस पत्नी के सिर पर मार दिया। इससे वह लहूलुहान होकर

जमीन पर गिर पड़ी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को सुबह हुई। आरोपी पति पुलिस हिरासत में है। दंपती की शादी वर्ष 2021 में मेट्रोमोनियल साइट के माध्यम से हुई थी। अमृतसर पंजाब का मूल निवासी हेमंत काफी समय से झूंसी के चमनगंज इलाके में रहता है। वह बैग सिलाई और रिपेयरिंग का कार्य करता है। उसकी शादी स्वीटा (40) नाम की महिला से वर्ष 2021 में मेट्रोमोनियल साइट के माध्यम से हुई थी। दोनों को एक बच्ची है। पुलिस के अनुसार विवाह के बाद से ही दंपती के बीच अक्सर लड़ाई झगड़ा होता था। बुधवार की रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई जो मारपीट में बदल गई।

इसी दौरान हेमंत ने घर में रखे लोहे के वजनी प्रेस से स्वीटा के सिर पर प्रहार कर दिया। इससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। उसकी रात में ही मौत हो गई। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को सुबह दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। घर में हेमंत की मां और बहन भी रहती हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

मकान ढहने से मजदूर की मौत के मामले में दो लोगों पर एफआईआर

प्रयागराज। कोतवाली थाना क्षेत्र के साउथ मलाका में एक प्लॉट की नींव की खोदाई के बाद पिलर बांधने के दौरान बगल का जर्जर मकान ढहने से मजदूर विनोद की मौत के मामले में पुलिस ने बुधवार को प्लॉट मालिक इंद्रजीत निषाद और ठेकेदार शुभम मिस्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के साउथ मलाका में एक प्लॉट की नींव की खोदाई के बाद पिलर बांधने के दौरान बगल का जर्जर मकान ढहने से मजदूर विनोद की मौत के मामले में पुलिस ने बुधवार को प्लॉट मालिक इंद्रजीत निषाद और ठेकेदार शुभम मिस्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। वहीं, मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

साउथ मलाका के रहने वाले प्रकाश केसरवानी के मकान के बगल में एक प्लॉट में नींव की खोदाई और बीम बांधने का काम चल रहा था। ठेकेदार की देखरेख में नौ मजदूर काम कर रहे थे। मिर्जापुर के थाना हलिया निवासी मजदूर विनोद भी अपनी पत्नी रन्नो के साथ यहां काम करने आया था। वहीं, हादसे में घायल एक अन्य मजदूर शारदा भी विनोद के गांव का ही रहने वाला है।

मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे प्रकाश केसरवानी के मकान का एक हिस्सा भरभराकर ढह गया। मजदूर विनोद कुमार और शारदा इसकी चपेट में आ गए। आसपास के लोगों ने शोर मचाया तो मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। कोतवाली थाना प्रभारी संजय राय ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल खत्म होने का हल्ला, लगी लंबी लाइन, कई पेट्रोल पंप बंद

प्रयागराज। शहर में बुधवार को पेट्रोल–डीजल खत्म होने का हल्ला मचा और पेट्रोल पंप पर देर शाम अचानक लंबी लाइन लग गई। इस बीच कुछ पेट्रोल पंप बंद भी हो गए। लोगों को लगा कि यह ईरान–इस्राइल युद्ध कर असर है और हालात ज्यादा बिगड़ सकते हैं। पूरी रात लोग पेट्रोल पंपों पर डंटे रहे। बृहस्पतिवार को भी दोपहर बाद तक लंबी कतार लगी रही। कई संचालकों ने पेट्रोल पंप बंद कर दिया है।

शहर में बुधवार को पेट्रोल–डीजल खत्म होने का हल्ला मचा और पेट्रोल पंप पर देर शाम अचानक लंबी लाइन लग गई। इस बीच कुछ पेट्रोल पंप बंद भी हो गए। लोगों को लगा कि यह ईरान–इस्राइल युद्ध कर असर है और हालात ज्यादा बिगड़ सकते हैं। देर रात तक लोग पेट्रोल–डीजल के लिए पंप के बाहर कतार में लगे रहे।

सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर स्थित पंप में पेट्रोल भराने पहुंचे शान मालवीय ने बताया कि वह बैरहना, रामबाग, अटाला, बलुआघाट होते हुए यहां पहुंचे हैं। हर जगह पेट्रोल पंप बंद मिले या वहां काफी लंबी लाइन लगी हुई थी। सुभाष चौराहे पर भी यही हाल है, लेकिन इस बार वह लाइन में लग गए हैं। बताया कि बाइक में पेट्रोल भराने के लिए एक घंटे से खड़े हैं।

हाईकोर्ट के सामने पेट्रोल पंप पर पहुंचे रवि कुमार ने बताया कि हर जगह पेट्रोल के लिए लंबी लाइन लगी है। ऑटो सेल्स के पास वाला पेट्रोल पंप बंद हो गया है, जबकि प्रयागराज–कानपुर मुख्य मार्ग पर होने के कारण वह 24 घंटे खुला रहता था। वहां तैनात कर्मचारी अनुराग सिंह ने बताया कि शाम को पेट्रोल खत्म हो जाने के का कारण पंप बंद हो गया। देर रात टैंकर आ जाएगा और सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

सिविल लाइंस के साथ खुल्दाबाद, तेलियरगंज, सोहबतियाबाग, अटाला, बाई का बाग, कल्याणी देवी, लाउदर रोड, नैनी, झूंसी, फाफामऊ समेत कई इलाकों में पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन लगी रही। रात 11 बजे जब शहर के पेट्रोल पंप बंद करने का समय आया, तब भीड़ हटी। इस बीच पंप संचालकों की ओर से उपभोक्ताओं को लगातार यह जानकारी दी जाती रही कि शहर में पेट्रोल–डीजल की कोई कमी नहीं है। परेशान होने की जरूरत नहीं है। पूरी रात लोग पंपों पर डंटे रहे। बृहस्पतिवार को भोर में साढ़े चार बजे से फिर पंपों पर भीड़ बढ़ने लगी। दोपहर बात तक मारामारी मची रही। पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल डीजल दिया जा रहा है।

सुलेमसराय में लंबी लाइन से लगा जाम

रात 9.30 बजे के आसपास

सुलेमसराय पेट्रोल पंप पर लोगों की लंबी लाइन लग गई। सिविल लाइंस, कटरा, जॉर्जटाउन में रहने वाले लोग अपने वाहनों में पेट्रोल भरवाने के लिए सुलेमसराय तक पहुंच गए। पंप के बाहर लगी लंबी लाइन सड़क तक पहुंच गई और वहां जाम लग गया। वहीं, रात 10रु15 बजे के आसपास चौफटका व मुंडेरा चुंगी का पट्रोल पंप भी समय से पहले बंद हो गया।

अफवाहों से रहें दूर, पंप में ही 57 लाख लीटर पेट्रोल–डीजल

आपूर्ति विभाग ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह से दूर रहें। पेट्रोल पंप में ही आठ से 10 दिन का स्टॉक है। इसके अलावा टैंकरों में भी पांच से छह दिन और प्लांट में दो माह का स्टॉक है। पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है, इसलिए हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है।

जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि प्रयागराज के पेट्रोल पंप में 57 लाख लीटर पेट्रोल व डीजल का स्टॉक है, जबकि पेट्रोल व डीजल की रोज की खपत तकरीबन आठ लाख लीटर है। ऐसे में कमी होने का सवाल ही नहीं उठता है। बुधवार को आईओसीएल के 148 पेट्रोल पंप में 10 लाख लीटर पेट्रोल व 14 लाख लीटर डीजल उपलब्ध था। वहीं, एचपीसीएल के 114 पंप में नौ लाख लीटर पेट्रोल व 10 लाख लीटर डीजल और बीपीसीएल के 106 पंप में सात लाख लीटर पेट्रोल व सात लाख लीटर डीजल की उपलब्धता थी। केवल पेट्रोल पंप में ही आठ से 10 दिन का स्टॉक है। इसके अलावा प्लांट से तेल लेकर निकल चुके टैंकरों में भी पांच से छह दिन का स्टॉक है और प्लांट में दो माह का स्टॉक है।

सभी पेट्रोलियम कंपनियों के सेल्स अधिकारियों से बात की गई है और उन्होंने पर्याप्त स्टॉक होने की बात कही है। चार–पांच पेट्रोल पंप इसलिए बंद हो गए, क्योंकि वे समय से औपचारिकताएं पूरी नहीं कर सके। औपचारिकताएं पूरी होते ही उन्हें पेट्रोल व डीजल उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालात पूरी तरह से सामान्य हैं और लोगों को हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है।

लोगों से अपील है कि अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। जिले में पेट्रोल व डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। कहीं भी किसी तरह की कोई कमी नहीं है। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

पेट्रोल पंप पर व्यवस्था संभालती दिखी पुलिस

शहर के विभिन्न पेट्रोल पंप पर बढ़ती भीड़ और लंबी कतारों के बीच बुधवार को पुलिस ने मोर्चा संभाला। कई स्थानों पर हालात ऐसे बन गए कि लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लाइन व्यवस्था को सुचारु किया।

बुधवार शाम से ही सिविल लाइंस, पत्रिका चौराहा, हाईकोर्ट, सुलेमसराय, धूमनगंज, धोबीघाट समेत अन्य जगहों पर पेट्रोल के लिए वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालात बिगड़ते देख स्थानीय थानों के पुलिसकर्मियों ने पंप पर पहुंचकर वाहनों की कतारों को व्यवस्थित ढंग से लगवाया। कई जगहों पर बैरिकेडिंग कर एक–एक कर वाहनों को आगे बढ़ाया गया। डीसीपी मनीष शांडिल्य ने बताया कि कई जगहों पर अव्यवस्था होने पर थाना पुलिस को लगाया गया था, ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

ईंधन का स्टाक खत्म होने के बाद सिविल लाइंस, मुंडेरा, झूंसी और नैनी में कई पेट्रोल पंप को बंद कर दिया गया। एकाएक पेट्रोल–डीजल की बिक्री से पूरा टैंक खाली हो गया। लोगों की बढ़ती भीड़ और विवाद की स्थिति उत्पन्न होने के कारण संचालक पंप बंद करके चले गए हैं।

पीडब्ल्यूडी ने दी रिपोर्ट, गिराना पड़ेगा पूरा कोल्ड स्टोर, कमजोर पड़ चुकी है पूरी इमारत

प्रयागराज। फाफामऊ के चंदापुर में प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर स्थित आदर्श कोल्ड स्टोर की इमारत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपनी जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को सौंप दी है।

फाफामऊ के चंदापुर में प्रयागराज–लखनऊ हाईवे पर स्थित आदर्श कोल्ड स्टोर की इमारत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपनी जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को सौंप दी है। इमारत अब सुरक्षित नहीं रह गई है, इसलिए इसे गिराना पड़ेगा।

हालांकि, इमारत को ध्वस्त करने पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, क्योंकि प्रशासन की प्राथमिकता सबसे पहले वहां रखीं आलू की एक लाख 30 हजार बोरियों को सुरक्षित बाहर निकलवाने की है, लेकिन यह तो तय है कि कोल्ड स्टोर का दोबारा संचालन नहीं होगा और अगर कोई वहां नए सिरे से कोल्ड स्टोर चलाना चाहता है तो मौजूदा इमारत को ध्वस्त करना पड़ेगा।

पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के अनुसार पिलर पहले से ही काफी कमजोर थे और सीलन के कारण अंदर लगी सरिया में भी जंग (रस्ट) लग चुकी है। कई जगह कंक्रीट और सरिया एक–दूसरे से जुड़े रहने के बजाय अलग हो गए हैं और पिलर काफी कमजोर हो चुके हैं। जंग लगने के कारण सरिया के मुड़ने की प्रवृत्ति भी प्रभावित हुई है। अधिक मोड़ने पर वह टूट जाएगी और ऐसे में इमारत का दूसरा हिस्सा भी ढह सकता है।

साथ ही छत पर लगे स्टील बार को भी ठीक से कवर नहीं किया गया है, जिससे छत काफी कमजोर हो चुकी है। रिपोर्ट में साफ तौर पर उल्लेख किया गया है कि भवन निर्माण में तकनीकी सावधानी नहीं बरती गई और भवन का अनुरक्षण भी नियमित रूप से नहीं किया गया। इस रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन अब आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के अनुसार कोल्ड स्टोर काफी जर्जर हालत में है और मौजूदा इमारत में कोल्ड स्टोर का संचालन अब नहीं किया जा सकता है। इमारत अब सुरक्षित नहीं रह गई है। ऐसे में वहां कोल्ड स्टोर दोबारा चलाने या

अन्य गतिविधियों के लिए मौजूदा इमारत को ध्वस्त कराके नया निर्माण कराना होगा। फिलहाल प्राथमिकता यही है कि कोल्ड स्टोर में रखीं किसानों के आलू की बोरियां सुरक्षित बाहर निकाल ली जाएं। – मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

कोल्ड स्टोर के पास कारखाने का लाइसेंस भी नहीं

कोल्ड स्टोर के पास कारखाने का लाइसेंस भी नहीं है। उप निदेशक कारखाना, प्रयागराज कमल किशोर पांडेय ने जिलाधिकारी को सौंपी अपनी रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। उप निदेशक के अनुसार पूर्व में भी कोल्ड स्टोर का निरीक्षण किया जा चुका है और कई बार नोटिस भी जारी किया गया है। कोल्ड स्टोर को कारखाना परिसर एवं भवनों को कारखाने के रूप में उपयोग करने से पूर्व परिसर एवं भवन का नक्शा और स्थायित्व का प्रमाणपत्र तैयार कराकर नक्शे का सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन नहीं कराया गया। इसके साथ ही नियमानुसार शुल्क जमा कर कारखाना अधिनियम 1948 के तहत पंजीकरण कराकर लाइसेंस प्राप्त नहीं किया गया।

तीन साल से नहीं दिया फिटनेस सर्टिफिकेट

फाफामऊ के चंदापुर में आदर्श कोल्ड स्टोर का संचालन 1992 में शुरू किया गया था, लेकिन 2013 में इसे बंद कर दिया गया। 2023 में पुनरू इसका संचालन शुरू किया गया। कोल्ड स्टोर संचालक ने 2023 से इसका फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं दिया। उद्यान विभाग की ओर से दी गई रिपोर्ट के अनुसार फिटनेस सर्टिफिकेट के लिए कई बार नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन सर्टिफिकेट प्रस्तुत नहीं किया गया।

कोल्ड स्टोर में आलू की 1.30 लाख बोरियां

आदर्श कोल्ड स्टोर का एक हिस्सा गिरने के बाद भी वहां आलू की एक लाख 30 हजार हजार बोरियां रखी हैं और हर बोरी में 50 किलो आलू है। इनमें से 20 हजार बोरियां कोल्ड स्टोर के आंगन में रखी हैं, जिन्हें बुधवार को हटाया गया। एक लाख 10 हजार बोरियां अब भी कोल्ड स्टोर परिसर में रखी हैं। बोरियों को निकालने से पहले यह आकलन किया जा रहा है कि जर्जर इमारत से इन्हें कैसे बाहर लाया जाए। इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि आलू की बोरियों को दूसरे कोल्ड स्टोर में शिफ्ट किया जाएगा और मलबे में आलू दबने से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोल्ड स्टोर संचालन करेगा।

डीएम ने सभी कोल्ड स्टोर की शुरू कराई जांच

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने प्रयागराज के सभी 50 कोल्ड स्टोर की जांच शुरू करा दी है। डीएम ने बताया कि इसके लिए एसडीएम की अध्यक्षता में टीम गठित कर दी गई है। कोई कोल्ड स्टोर मानक के विपरीत पाया जाता है तो उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर ध्वस्तीकरण भी किया जा सकता है। जांच रिपोर्ट अगले हफ्ते आने की उम्मीद है।

वेज बिरयानी ने ले ली पंसदीदा पराठों की जगह, गैस सिलिंडर की किल्लत से स्ट्रीट वेंडर परेशान

प्रयागराज। वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की किल्लत और ईंधन के बढ़ते दामों ने शहर के रेस्टोरेंट, ढाबा और नाइट मार्केट के गणित को बिगाड़ दिया है। ईंधन बचाने के चक्कर में कुछ ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों ने मेन्यू छोटा कर दिया है। वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की किल्लत और ईंधन के बढ़ते दामों ने शहर के रेस्टोरेंट, ढाबा और नाइट मार्केट के गणित को बिगाड़ दिया है। ईंधन बचाने के चक्कर में कुछ ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों ने मेन्यू छोटा कर दिया है। तवे पर बनने वाले पराठों की जगह अब वेज बिरयानी ने ले ली है। प्रयागराज के नाइट मार्केट में वाणिज्यिक सिलिंडर की अनुपलब्धता का सीधा असर दिख रहा है। यहां कई स्टॉल खुल ही नहीं पा रहे

हैं। जो खुल रहे हैं, उनके सामने भी लागत निकालने की चुनौती है। दुकानदारों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो आने वाले दिनों में कारोबार ठप हो जाएगा। जिन ढाबों पर वेज पराठा ग्राहकों की पहली पसंद हुआ करता था, अब वहां वेज बिरयानी ज्यादा बिक रही है। संचालकों का कहना है कि पराठा बनाने में गैस और समय दोनों ज्यादा खर्च होते हैं, जबकि बिरयानी एक बार में बड़े बर्तन में तैयार हो जाती है जिससे लागत कम आती है।

अल्लापुर, दारागंज, जानसेनगंज और अटाला जैसे इलाकों में दुकानदारों ने वैकल्पिक इंतजाम के तौर पर लकड़ी और डीजल का सहारा लिया लेकिन लागत इतनी बढ़ गई कि कुछ ने दुकान ही बंद कर दी। तेलियरगंज के वेंडर रमेश पटेल बताते हैं कि पराठे के लिए लगातार आंच चाहिए, जो अब मुमकिन नहीं। इसकी जगह अब वेज बिरयानी बेची जा रही है। सिविल लाइंस में ढाबा चलाने वाले विशाल कनौजिया ने बताया कि तीन–चार दिन से वह भट्ठी पर ही खाना बनवा रहे हैं।

सिर्फ खाना ही नहीं, शाम का नाश्ता भी अब जेब पर भारी पड़ रहा है। कोयले और लकड़ी के दाम बढ़ने से चाट विक्रेताओं ने भी रेट कार्ड बदल दिए हैं। आलू टिक्की, टमाटर आदि के दामों में पांच से 10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। चाट विक्रेता रामजी अग्रहरि कहते हैं कि न गैस मिल रही है और न ही कोयला सस्ता है। किसी तरह से दुकान चला रहे हैं।

यूपी टीईटी की फर्जी वेबसाइट बनाने के मामले में एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। यूपी टीईटी–2026 के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाने के मामले में कर्नलगंज पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। शिक्षा सेवा चयन आयोग के उपसचिव संजय कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि आयोग की ओर से 20 मार्च को यूपी टीईटी–2026 का आधिकारिक विज्ञापन जारी किया गया था। यूपी टीईटी–2026 के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाने के मामले में कर्नलगंज पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। शिक्षा सेवा चयन आयोग के उपसचिव संजय कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि आयोग की ओर से 20 मार्च को यूपी टीईटी–2026 का आधिकारिक विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके अनुसार ऑनलाइन आवेदन 27 मार्च से शुरू हो रहे हैं। इसी बीच किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा यूपी टीईटी–2026 के नाम से एक फर्जी वेबसाइट तैयार कर दी गई। इस पर एक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने का विकल्प भी दिया जा रहा है। वेबसाइट पर आयोग की अधिकारिक वेबसाइट के समरूप ही उप्र शिक्षक पात्रता परीक्षा–2026 की आवेदन प्रक्रिया से संबंधित सभी विकल्प हैं।

धोखाधड़ी से शिक्षक भर्ती मामले में अपर निदेशक बेसिक शिक्षा तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी के आधार पर नियुक्त शिक्षकों के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अपर निदेशक बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश को 31 मार्च को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी के आधार पर नियुक्त शिक्षकों के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अपर निदेशक बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश को 31 मार्च को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति मंजु रानी चौहान ने यह निर्देश महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक महाविद्यालय की प्रबंध समिति की ओर से दायर याचिका पर दिया। मामला विपक्षी संख्या 7 से 12 तक के उन अध्यापकों की नियुक्ति से जुड़ा है, जिन्हें बिना स्वीकृत पदों के नियुक्त किया गया और वे सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त कर रहे हैं। अदालत इस बात से नाराज है कि बेसिक शिक्षा सचिव की ओर से 15 जुलाई 2011 को पेश की गई जांच रिपोर्ट, जिसमें नियुक्तियों को अवैध पाया गया था, उस पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि नियुक्तियों से संबंधित मूल दस्तावेज 2011 में ही विभाग को वापस कर दिए गए थे, लेकिन अब रिकॉर्ड गायब होने की बात कही जा रही है। 31 मार्च को सुनवाई होगी।

भीरपुर में पेट्रोल पंप पर घटतौली का आरोप, मारपीट का वीडियो वायरल

प्रयागराज। भीरपुर क्षेत्र के हर्रई स्थित एक फिलिंग पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कथित घटतौली को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। आरोप है कि उपभोक्ताओं से 500 रुपये लेने के बावजूद मात्र 400 रुपये का ही तेल दिया जा रहा है। इस गड़बड़ी को लेकर उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। भीरपुर क्षेत्र के हर्रई स्थित एक फिलिंग पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कथित घटतौली को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। आरोप है कि उपभोक्ताओं से 500 रुपये लेने के बावजूद मात्र 400 रुपये का ही तेल दिया जा रहा है। इस गड़बड़ी को लेकर उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह से ही फिलिंग स्टेशन पर इस मुद्दे को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि कहासुनी मारपीट में बदल गई।

संक्षिप्त

लखीमपुर खीरी के शारदा बैराज में टेंट सिटी से खुलेगा पर्यटन के नए युग का द्वार

लखनऊ,संवाददाता। लखीमपुर खीरी का शारदा बैराज अब पर्यटन मानचित्र पर बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड यूपीईटीडीबी 2.67 एकड़ क्षेत्र में निजी सहभागिता से टेंट सिटी विकसित करने जा रहा है, जिसके लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। सरकार की योजना प्रकृति की गोद में बसे इस खूबसूरत स्थल को श्एकोमोडेशन एंड वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशनश के रूप में विकसित कर पर्यटकों के लिए नया आकर्षण केंद्र बनाने की है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्लखीमपुर खीरी स्थित शारदा बैराज को जल्द ही एक प्रमुख पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। तहसील सदर ग्राम कोठिया के निकट करीब 2.67 एकड़ भूमि पर आकर्षक टेंट सिटी विकसित की जाएगी, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बनेगी। दुधवा नेशनल पार्क के करीब स्थित इस जगह को आधुनिक वेलनेस सुविधाओं से जोड़ने की योजना है, ताकि यहां आने वाले सैलानी प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बेहतर स्वास्थ्य और शांत वातावरण का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकें। सरकार की पहल से न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्रीय विकास और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।श्अधिकारियों के मुताबिक यह क्षेत्र दुधवा नेशनल पार्क और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य के मध्य स्थित है, जिससे इसकी पर्यटन संभावनाएं और बढ़ जाती हैं। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ग्राम कोठिया में टेंट सिटी विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को प्रकृति के बीच ठहरने का अनूठा अनुभव मिल सके। बोर्ड का प्रयास इस खूबसूरत स्थल को श्एकोमोडेशन एंड वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशनश के रूप में विकसित करना है।

राज बब्बर चुनाव अफसर से मारपीट में बरी,30 साल पहले केस था

लखनऊ,संवाददाता। यूपी कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राज बब्बर को लखनऊ की एमपी–एमएलए कोर्ट ने बुधवार को बड़ी राहत दी। उन पर साल–1996 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज सभी मुकदमों को खारिज करते हुए बरी कर दिया। इससे पहले विशेष अदालत ने राज बब्बर को 7 जुलाई, 2022 को दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा सुनाई थी। आज बरी होने पर राज बब्बर ने कहा मैं देश के लोकतंत्र और संविधान में आस्था रखता हूं। मैं संविधान, लोकतंत्र की रक्षा और जनता के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करता रहूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी 1996 में लखनऊ लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी थे। उनके खिलाफ समाजवादी पार्टी ने पहली बार राज बब्बर को उतारा था। मतदान के दिन एक मतदान केंद्र पर फर्जी वोटिंग को लेकर चुनाव अधिकारी से राज बब्बर का झगड़ा हो गया था। इसके बाद चुनाव अधिकारी ने लखनऊ के वजीरगंज थाने में राज बब्बर के खिलाफ मारपीट और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले का ट्रायल लखनऊ की एमपी–एमएलए कोर्ट में चल रहा था। इससे पहले विशेष अदालत ने 7 जुलाई, 2022 को राज बब्बर को दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा और 8,500 रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद राज बब्बर ने सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में याचिका लगाई थी। इस पर कोर्ट ने उनकी सजा पर स्टे लगा दिया था। इससे उन्हें चुनाव लड़ने में राहत मिल गई थी। लेकिन, तब केस पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था।

संस्कृत विश्वविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यानमाला शुरू

पहले दिन वेदों में पर्यावरणीय चेतना पर हुआ मंथन

लखनऊ,संवाददाता। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर में बुधवार से सात दिवसीय श्विशिष्ट व्याख्यानमालाश का आगाज हो गया हैं। कार्यक्रम के पहले दिन श्वेदों में पर्यावरणीय चेतनाश विषय पर आचार्यों ने विचार मंथन किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से आए मुख्य वक्ता प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रकृति का दोहन नहीं, बल्कि पोषण सिखाया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत लौकिक और वैदिक मंगलाचरण के साथ हुई, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेंद्र कुमार पाठक ने किया, जबकि डॉ. प्रणव कश्यप ने सभी अतिथियों का स्वागत कर व्याख्यानमाला की रूपरेखा सामने रखी। मुख्य वक्ता प्रो. त्रिपाठी ने विस्तार से बताया कि वेदों के मंत्रों में पर्यावरण संरक्षण के सूत्र छिपे हैं। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया क्लाइमेट चेंज से जूझ रही है, तब वेदों की श्पृथ्वी सूक्तश जैसी ऋचाएं हमें रास्ता दिखाती हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि वेदों में प्रकृति को पूजनीय माना गया है। जल, वायु और पृथ्वी का संतुलन बनाए रखना कोई उपकार नहीं, बल्कि मानव का अनिवार्य कर्तव्य है। प्रो. झा ने छात्रों से आह्वान किया कि वे प्राचीन ज्ञान को आधुनिक जीवनशैली में उतारें ताकि सतत विकास का लक्ष्य हासिल हो सके। इस बौद्धिक समागम में प्रो. पवन कुमार, प्रो. गजाला अंसारी, प्रो. हरिनारायणधर द्विवेदी, डॉ. नीरज तिवारी, डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल, डॉ. रुद्र नारायण नरसिंह मिश्र और डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव समेत कई वरिष्ठ प्राध्यापक और शोध छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राहुल मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पश्चिमी यूपी में आज बढ़ेगी बादलों की सक्रियता, पड़ेंगी फुहारें

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मौसम में बृहस्पतिवार से बदलाव के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार 26 मार्च से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके प्रभाव से बृहस्पतिवार देर शाम पश्चिमी यूपी में तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। शुक्रवार 27 मार्च को इसका असर पूर्वी यूपी तक पहुंचेगा। कुल मिलाकर मार्च का आखिरी सप्ताह बूंदाबांदी और तापमान में उतार–चढ़ाव भरा रहेगा। बुधवार को प्रदेश में अधि ाकतम तापमान 2 से 3 डिग्री बढ़ा और कई जगह सामान्य से ऊपर दर्ज हुआ। 27 मार्च से विक्षोभ का असररू आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 27 मार्च को विक्षोभ के असर से पश्चिमी यूपी से बूंदाबांदी की शुरुआत होगी और इसका असर पूर्वी तक पहुंचेगा। वहीं 29 मार्च को सक्रिय हो रहे विक्षोभ की तीव्रता अधिक आंकी जा रही है। इसके असर से पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होगी। साथ ही तापमान में दोबारा बड़ी गिरावट आएगी।

लघु नाटक 'सबक' की सुंदर प्रस्तुति

प्रयागराज। प्रयागराज में रंगमंच के माध्यम से सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से कार्यरत संस्था द थर्ड बेल द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए शहर के एक प्राथमिक विद्यालय, पुराना कटरा, प्रयागराज में छोटे बच्चों के बीच लघु नाटक के माध्यम से "सबक" कि प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाली समस्याओं तथा उसके सही और सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना था साथ ही खान पान में कैसे सतर्कता बरती जाय इन विषयों पर प्रकाश डालना था।

लघु नाटक की प्रस्तुति बेहद रोचक, शिक्षाप्रद और मनोरंजक रही, जिसमें बच्चों को सरल और प्रभावशाली तरीके से यह समझाया गया कि मोबाइल का अधिक उपयोग उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और व्यवहार पर किस प्रकार नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। साथ ही, स्वस्थ शरीर कैसे हो इसको भी रेखांकित किया गया।

इस प्रस्तुति में शहर के जाने–माने रंगकर्मी एवं निर्देशक आलोक नायर की उपस्थिति विशेष रही। उनके साथ कलाकारों में निमिष गुप्ता, शुभेंद्र कुमार सिन्हा, यश मिश्र, अभिषेक गिरी, कुबेर एवं शिवांक द्विवेदी ने अपने जीवंत अभिनय से बच्चों को खूब हँसाया और साथ ही एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया।

नाटक का निर्देशन शुभेंद्र कुमार सिन्हा द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने सशक्त निर्देशन से प्रस्तुति को प्रभावी और संवादात्मक बनाया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के सचिव आलोक नायर ने विद्यालय की प्रधानाचार्या महोदया एवं समस्त शिक्षकों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

यह कार्यक्रम बच्चों के लिए न केवल मनोरंजक रहा, बल्कि उनके जीवन में एक सकारात्मक "सबक" छोड़ गया, जिससे वे मोबाइल और स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग और जिम्मेदार बन सकें। इसलिए कार्यक्रम की संयोजक शिक्षिका शशि तिवारी जी रहीं।

बलराम महाविद्यालय के बी.एस.सी. (Ag.) के विद्यार्थियों का चित्रकूट में शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रयागराज। बलराम महाविद्यालय सिरहिर के कृषि संकाय बी.एससी. (।ह.) के आठवें सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं का क्रमशः तीन–तीन दिवसीय 18/03/26 से 20/03/26 एवं 23/03/26 से 25/03/26 तक शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चित्रकूट के दीनदयाल शोध संस्थान (क्त्प्) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह पूरा कार्यक्रम बलराम महाविद्यालय की प्रबन्धिका श्रीमती उमा सिंहके कुशल निर्देशन और मार्गदर्शन में आयोजित किया गया । भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकूट स्थित कृषि विज्ञान केंद्र एवं शोध संस्थान की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया। यहाँ छात्रों को आधुनिक खेती जैविक खाद निर्माण औषधीय पौधों की खेती और मृदा परीक्षण की बारीकियों से अवगत कराया गया। संस्थान के कृषि विशेषज्ञों ने छात्र/छात्राओं को ग्रामीण विकास और स्वावलंबन के मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महाविद्यालय की प्रबंधिका जी ने इस सफल भ्रमण पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ–साथ व्यवहारिक अनुभव कृषि के क्षेत्र में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों में न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि वे भविष्य में उन्नत किसान और कृषि विशेषज्ञ बनकर देश की उन्नति में योगदान दे सकेंगे। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को ट्रेनिंग का सर्टिफिकेट भी वितरित किया गया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक और कृषि विशेषज्ञ भी शामिल रहे जिन्होंने छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। आठवें सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं ने इस अनुभव को अपने कैरीयर के लिए अत्यंत लाभकारी बताया और कहा कि फील्ड विजिट से उन्हें खेती की वास्तविक चुनौतियों और उनके वैज्ञानिक समाधानों को समझने का अवसर मिला। इस शैक्षणिक यात्रा का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर शास्वत मिश्रा, डिप्टी डायरेक्टर शालिनी श्रीवास्तव, अर्पित श्रीवास्तव डॉ. अजय सिंह, करुणा द्विवेदी, संदीप पांडेय, संध्या पांडेय ने किया। संस्थान वापसी पर सभी विद्यार्थियों ने इस सफल और ज्ञानवर्धक शैक्षिक यात्रा के भ्रमण के लिए महाविद्यालय के प्रशासन और प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

अकबरपुर स्थित बृजेश्वरी माता मंदिर पर लगा मेला

अकबरपुर में माँ बृजेशवरी का है प्राचीन मंदिर नवरात्र की अष्टमी को होती है छंद प्रतियोगिता

चौमुहां। ब्लाक के गांव अकबरपुर में अष्टमी को ब्रज ब्रजेश्वरी पदम् मुखी माता मंदिर पर अष्टमी को विशाल मेले का आयोजन किया गया। इसके साथ ही भजन मंडलियो के मध्य छंद प्रतियोगिता हुई । जिसमें भक्तगणों ने छन्दों द्वारा मईया की महिमा का गुणगान किया । मेला में अकबरपुर चौमुहां तरौली नौगाँव सिहाना कोंकेरा नरी अहूरी आदि गांव के ग्रामीण मेला व छंद प्रतियोगिता देखने पहुचे । इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने अपनी कुलदेवी,के सामने बच्चों का मुंडन भी कराया। छोटे छोटे बच्चों ने झूले व खिलौनो,का आनंद लिया।मंदिर प्रांगण में हो रही छंद प्रतियोगिता मेला दर्शकों में आकषर्ण का केंद्र बन रही थी । जिसमे मेरी भवर नाव चकराई है तू आदिशक्ति महारानी है तीनो लोक में जानी है तू तीनों ही देव जने आदि छंद गाए। प्रतियोगिता में चौमुहां से दो मंडली और अकबरपुर से भी दो मंडलियो ने भाग लिया जिसमें पांचों मंडली छंद प्रतियोगिता में बराबर रही। प्रधान प्रतिनिधि भरत सिसौदिया ने सभी मंडलियों को 3100 रुपए पटुका देकर पुरुस्कृत किया गया । पुजारी हुकम चंद ने बताया प्रतिवर्ष चौत्र माह की अष्टमी को यहां मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें मईया के गुणगान के छंद भी गाए जाते है। लाखन सिंह हेमन्त शर्मा विष्णु हिंदुस्तानी जितेंद्र गुप्ता पोपली भगत कारे भगत राजू भगत नारायण हरि शर्मा रामू राम नारायण तिवारी चिंतामणि शर्मा लखन शर्मा धर्मवीर शर्मा पप्पू रमेश आदि उपस्थित रहे ।

मिशन शक्ति का असरः महिलाओं को आत्मरक्षा से अधिकारों तक हर पहलू पर किया जागरूक

मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "मिशन शक्ति फेज–5.0" के द्वितीय चरण के तहत महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता अभियान को गति देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देशन में महिला थाना की मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के साथ–साथ गुड टच/बैड टच की जानकारी दी गई और महिला संबंधी अपराधों से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। टीम ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों, बसों या रास्तों में छेड़खानी जैसी घटनाओं के समय घबराने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 पर संपर्क करें या नजदीकी थाने में एफआईआर दर्ज कराएं। पुलिस टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम का सतर्कता के साथ उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही महिलाओं को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए स्वयं पालन करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी भी दी गई, जिनमें 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 व 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं में सुरक्षा, आत्मविश्वास और जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

सवेरा फिर आएगा

रखना थोड़ा धैर्य गुजर संकट जाएगा।
तम से कर संघर्ष सवेरा फिर आएगा।
खिड़की करके बंद चलो दरवाजा खोलो।
पूछो सब का हाल मगर मत तीखा बोलो।
भूखा रहना भी पड़े खोना मत सम्मान को।
हल भी इसका है निकट, ढूँढों इसको ध्यान से।।

आशाओं की धूप खिलेगी जल्दी आना।
बेमौसम बरसात देखकर मत घबराना।
है मुश्किल का दौर भूख को व्रत में बदलो।
बदलेगा फिर वक्त निकल कर बाहर टहलो।
अपनों के खातिर सदा सहते हैं जो भूख को।
वही खड़े हो सामने रोक रहे हैं लूट को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को सद्मार्ग पर ले जाती हैः चंद्रकांत शास्त्री

बलदेव। परशुराम चौराहा स्थित शांति सेवा सदन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भागवत प्रवक्ता चंद्रकांत शास्त्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को सद्मार्ग पर ले जाने का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भगवान के साक्षात

दर्शन कराती है और इसके श्रवण मात्र से व्यक्ति का कल्याण होता है। भगवान की विशेष कृपा से ही मनुष्य को भगवत चरित्र सुनने का अवसर प्राप्त होता है। बिना सत्संग के विवेक की प्राप्ति संभव नहीं है। चंद्रकांत शास्त्री ने श्रोताओं से कथा को श्रद्धा और उत्साह के साथ सुनने का आग्रह करते हुए कहा कि भागवत कथा का श्रवण जीवन को सफल बनाता है और अनजाने में हुए पापों से मुक्ति दिलाता है।

जमानत न मिलने से आहत विचाराधीन कैदी ने की आत्महत्या, इलाज के दौरान मौत

मथुरा। जिला कारागार में बंद एक विचाराधीन कैदी द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। जमानत न मिलने से मानसिक तनाव में चल रहे कैदी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, जिससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सुरेश, निवासी गोवर्धन के रूप में हुई है। वह एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में मई 2025 से जिला कारागार में बंद था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे सुरेश शौचालय के लिए गया, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटा। लगभग दस मिनट बाद ड्यूटी पर तैनात सिपाहियों को संदेह हुआ, जिसके बाद शौचालय का दरवाजा खोला गया। अंदर का दृश्य देखकर जेलकर्मी सन्न रह गए। सुरेश ने अपने लोअर को गेट की कुंडी में बांधकर फांसी लगा ली थी। तत्काल उसे नीचे उतारकर जेल अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां गुरुवार तड़के इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि सुरेश लंबे समय से जमानत न मिलने के कारण मानसिक तनाव में था। परिजनों द्वारा हाईकोर्ट में जमानत के लिए अपील भी की गई थी, लेकिन 24 मार्च को भी मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हो सका। घटना से पहले उसने अपने पिता से फोन पर बातचीत कर नाराजगी जताई थी। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों की गहन पड़ताल की जा रही है।

खंभे से गिरा तार, कार जली,इलाके में 6 घंटे से बिजली गुल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के राजभवन डिवीजन के क्लाइड रोड पर खंभे से जलते हुए तार गिरा जिससे नीचे खड़ी कार जल गई। इलाके में आज गुरुवार को सुबह 6 घंटे से बिजली भी गुल है। लोगों ने कहा है कि बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से यह दुर्घटना हुई। शॉर्ट सर्किट के चलते बिजली के खंभों में आग लग गई। घटना के बीच में एक कार भी चपेट में आ गई, जिसका पीछे का हिस्सा जलकर खराब हो गया है। इसके साथ ही गुमटी में भी आग पकड़ ली। मामले में पीड़ित ने लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आग के चलते एकलव्यनगर गोखले मार्ग कृषि भवन इलाके में पावर कट है। लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के बीच में सुबह 4 बजे से क्लाइड रोड इलाके की बत्ती गुल हो गई। इसके पहले खंभों की केबलों में तेज आग लगी, इसके चलते तार नीचे भी गिर गए, जिसके कारण नवरात्र में लोग अष्टमी मनाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इलाके में सुबह 10 बजे तक बिजली नहीं आई। खंभों के पास रखी गुमटियां भी आग की चपेट में आ गईं। लोगों ने कहा कि बिजली न आने की वजह से हमारे घरों में सुबह से पानी भी नहीं आ पाया है। शिकायत के बाद भी अधिकारी समस्या का समाधान करने में लापरवाही कर रहे हैं। रात में सो रहे थे। खड़ी कार बेकार हो गई। इसमें कम से कम 35 हजार रुपए का खर्चा आएगा। बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से ऐसा हुआ है। इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

सम्पादकीय.......

कब किसान गर्व से कहेगा, 'मेरी संतान भी किसान बने'

एक डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, अफसर या कारोबारी अक्सर यही चाहते हैं कि उनकी अगली पीढ़ी उन्हीं के पेशे को आगे बढ़ाए। लेकिन इस मामले में किसान एक अपवाद है। बहुत कम किसान चाहते हैं कि उनकी संतान भी खेती करे। देश में खेती–किसानी के सामने सबसे बड़ा मौन संकट यही है कि किसानों की नई पीढ़ी की गांव, खेत–खलिहान से जुड़ी जड़ें लगातार कमजोर पड़ रही हैं। कड़ी मेहनत के बावजूद खेती उनके लिए घाटे का सौदा है। ऐसे में शहरों या विदेशों में नौकरी के लिए जाना उन्हें ज्यादा सही लगता है। नतीजा यह है कि गांवों में ज्यादातर बुजुर्ग किसान बचे हैं, जो अपनी जड़ों (खेतों) से जुड़े रहना चाहते हैं। देश की करीब 46 प्रतिशत आबादी आज भी खेती पर निर्भर है, जबकि देश की जी.डी.पी. में 16 प्रतिशत योगदान खेती का है। यह अंतर साफ बताता है कि खेती का दायरा बड़ा है लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में उसकी घटती हिस्सेदारी एक बड़ी चुनौती है। यहां आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस यानी ए.आई. एक बड़े बदलाव की राह खोल सकता है। यह सिर्फ एक नई टैक्नोलॉजी नहीं, बल्कि खेती को पूरी तरह बदल देने वाली ताकत बन सकता है। ए.आई. के जरिए खेती को डाटा और टैक्नोलॉजी आधारित स्मार्ट खेती, ज्यादा मुनाफेमंद व सबसे अहम, युवाओं को इससे जोड़ा जा सकता है। ए.आई. खेती के तौर–तरीके बदल रहा है। अब सैटेलाइट तस्वीरों, मिट्टी की जांच, मौसम के पैटर्न और फसल की स्थिति के आधार पर किसानों को तुरंत सलाह मिल सकती है। इससे किसान सही समय पर बुवाई कर सकता है, खाद एवं कीटनाशकों का संतुलित उपयोग कर सकता है और बाजार में सही समय पर फसल बेच सकता है। ए.आई. आधारित खेती से उत्पादन में बढ़ौतरी, पानी और रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों की खपत काफी घटाई जा सकती है। स्मार्ट फोन और डिजिटल दुनिया में पली–बढ़ी नई पीढ़ी के लिए यह बदलाव खेती को टैक्नोलॉजी आधारित पेशे में बदल देता है, जहां डाटा एनालिटिक्स भी उतने ही जरूरी हैं, जितने खेती के दूसरे पारंपरिक संसाधन। भारत के पास कृषि से जुड़े विशाल डाटा में मौसम, मिट्टी, सैटेलाइट और फसलों संबंधी आंकड़े हैं, लेकिन अभी भी 10 प्रतिशत से कम किसान डिजिटल सलाह का इस्तेमाल करते हैं। यानी टैक्नोलॉजी का असली फायदा अभी खेतों की पहुंच से परे है। हालांकि अब तस्वीर बदलने लगी है। 'किसान ई–मित्र' जैसे प्लेटफॉर्म रोज हजारों किसानों के सवालों का जवाब दे रहे हैं। आई.आई.टी. रोपड़ की 'एनम ए.आई.' एप जैसी पहल भी डाटा को आसान भाषा में किसानों तक पहुंचा रही हैं। शुरुआती प्रयोग से यह साफ हुआ है कि ए.आई. के इस्तेमाल से खेती की लागत 8 से 12 प्रतिशत तक घट सकती है और उत्पादन 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। अक्सर यह चिंता जताई जा रही है कि ए.आई. और मशीनें खेत मजदूरों को बेरोजगार कर देंगी। लेकिन भारत की जमीनी हकीकत अलग है। यहां 86 प्रतिशत किसानों के पास 2 हैक्टेयर तक के खेत हैं, जहां पूरी तरह मशीनों पर निर्भर होना संभव नहीं। ऐसे में ए.आई. खेत मजदूरों का काम खत्म नहीं करेगा, बल्कि काम का तरीका बदलेगा। अब नए तरह के काम सामने आ रहे हैं, जैसे एग्री–डाटा संभालने वाले तकनीशियन, ड्रोन से छिड़काव करने वाले ऑप्रेटर और सप्लाई चेन को संभालने वाले एक्सपर्ट छोटी जोत की खेती को भी मुनाफेमंद बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। 1966 में हरित क्रांति और मशीनीकरण की अगुवाई करने वाले पंजाब और हरियाणा के कई इलाकों में महिलाएं ड्रोन से फसलों की निगरानी और कीटनाशकों का छिड़काव कर रही हैं। यह संकेत है कि आने वाले समय में गांवों की अर्थव्यवस्था भी डिजिटल टैक्नोलॉजी से बदलेगी। यानी ए.आई. रोजगार कम नहीं करेगी, बल्कि खेती को कुशल और सम्मानजनक पेशे में बदल सकती है। दुनिया के कई देशों ने साबित किया कि जब खेती टैक्नोलॉजी से जुड़ती है, तो युवा खुद–ब–खुद उससे जुड़ते जाते हैं। चीन का उदाहरण बेहद दिलचस्प है। भूजल संकट के बावजूद भारत लगभग 4.4 करोड़ हैक्टेयर में धान उगाता है, जबकि भूजल सरंक्षण के लिए चीन ने धान का रकबा घटाकर 2.8 करोड़ हैक्टेयर कर दिया है। बावजूद इसके चीन का चावल उत्पादन भारत से सिर्फ 50 लाख टन कम है। भारत में प्रति हैक्टेयर चावल उत्पादन करीब 2.3 टन है, जबकि चीन में प्रति हैक्टेयर 4 टन, यानी भारत से 70 प्रतिशत ज्यादा उत्पादन। अमरीका में 'सी एंड स्प्रे' जैसी तकनीक कम्प्यूटर विजन के जरिए सिर्फ खरपतवार पर ही दवा डालती है, जिससे कैमिकल कीटनाशकों का इस्तेमाल 90 प्रतिशत तक

इधर-उधर की बात न कर, तू बता ये कारवां क्यों लुटा

और कुछ भी हो, यह विश्वगुरु का प्रधानमंत्री तो नहीं था। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का डंका बजाने वाला या कम से कम ऐसा गुरूर रखने वाला वाला शख्स भी नहीं था। सच कहें तो यह राजनेता ही नहीं था। और न ही रंगमंच पर डायलॉग बोलता अभिनेता। अगर आपने पश्चिम एशिया के संकट पर संसद में प्रधानमंत्री का बयान सुना हो तो आप उस शख्स को पहचान नहीं पाएंगे, जिसे आपने पिछले 11 बरस में न जाने किस–किस मंच से सुना होगा। हुंकार, ललकार, फुंकार–सब गायब था। बस सरकार की बोझिल भाषा थी। बुझा हुआ चेहरा था। फीकी आंखें थीं। लिखे हुए भाषण को शब्दश पढने की चिंता थी, कहीं कोई शब्द इधर से उधर न हो जाए, कहीं वॉशिंगटन से फोन न आ जाए। न कोई जुमले, न कोई ताली पिटाऊ डायलॉग, न कोई चुटकी। मेज थपथपाने वाले भी बीच बीच में एक थपकी देकर रस्म अदायगी कर रहे थे। इस भाषण को आप एक मैनेजर की रिपोर्ट कह सकते हैं, या फिर मुनीम की बही अथवा रंगमंच से किनारे कर दिए गए अभिनेता का नेपथ्य में दिया एकालाप। यह एक नेता का संबोधन नहीं था। होता भी कैसे। पश्चिम एशिया के नवीनतम प्रकरण ने प्रधानमंत्री को कुछ कहने लायक नहीं छोड़ा। अमरीका की तमाम लल्लो–चप्पो के बावजूद ट्रम्प मोदी जी को घास डालने को तैयार नहीं हैं। ट्रेड डील पर घुटने टेकने के बाद भी ऊपर से भारत के खिलाफ जांच शुरू करवा दी है। सुनते हैं अमरीका ने ईरान से मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान को चुना है, भारत का कहीं कोई नाम नहीं है। युद्ध से 2 दिन पहले गले में इसराईली मैडल बंधवाने के बावजूद इसराईल की तरफ से मोदी जी का कहीं कोई नाम नहीं है। भारत में इसराईल को झप्पी मारने को आतुर जमात भले ही खड़ी कर दी गई हो, इसराईल में भारत प्रेम की कोई लहर नहीं है। नए दोस्त बने नहीं, पुराने जरूर छूट गए। दशकों तक भारत को अपने दोस्तों में गिनने वाला ईरान अब भारत को अपने प्रतिद्वंद्वी खेमे में गिनता है। दोष ईरान का नहीं है। संसद में अपने बयान में प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए ईरान को निशाने पर लिया–व्यावसायिक जहाजों और ऊर्जा स्रोतों को निशाना बनाने पर चिंता जताई। लेकिन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष एक शब्द भी अमरीका और इसराईल द्वारा किए बेवजह और गैर कानूनी हमले पर नहीं बोला। जाहिर है होर्मुज खाड़ी में जिन देशों को जहाज निकालने की अनुमति है, उनमें भारत का नाम नहीं है। सुनते हैं जब मोदी जी ने ईरान के राष्ट्रपति को इस बाबत फोन किया तो उन्होंने संकट की इस घड़ी में भारत सरकार द्वारा किए बर्ताव की सूची गिनवा दी। रूस भी अब रूसा हुआ दिख रहा है। पहले भारत सरकार ने ट्रम्प के आदेश पर रूस का तेल खरीदना बंद कर दिया। खाड़ी संकट आने पर फिर रूस की याद आई तो अब रूस ने मुंह फेर लिया। कहा अब दोस्त वाला रेट नहीं लगेगा, बाजार का प्रीमियम वाला रेट देना पड़ेगा। कोई 70 साल पुरानी दोस्ती में गांठ पड़ गई। युद्ध के मैदान के बाहर अंतर्राष्ट्रीय मंच को देखें तो वहां भी भारत कहीं नजर नहीं आता। जब पूरी दुनिया किसी संकट से जूझ रही हो, उस वक्त विश्वपटल पर नेतृत्व की जरूरत होती है, सच्चे नेता की पहचान होती है। जब स्वेज नहर के मुद्दे पर ब्रिटेन और फ्रांस ने मिस्र पर हमला किया था, तब एक आध्थक और सामरिक तौर पर कमजोर भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने खुलकर मिस्र के समर्थन में जुबान खोलने की हिम्मत दिखाई थी, साम्राज्यवादी ताकतों की गुंडागर्दी के खिलाफ भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर जनमत खड़ा किया था। तब नेहरू की पहचान विश्वपटल पर एक नेता के रूप में बनी थी, भारत का सिर ऊंचा हुआ था। आज दुनिया वह सच सुनने के लिए स्पेन के प्रधानमंत्री के बयान सुनती है, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की ओर देखती है, श्रीलंका के प्रधानमंत्री की सराहना करती है। भारत की तरफ कोई नहीं देख रहा। विश्वगुरु और दुनिया में डंका बजने जैसे चुटकुले पर अब हंसने का मन भी नहीं करता। जब बोलना जरूरी हो और कहने को कुछ न हो तो इधर–उधर की बात करनी पड़ती है। प्रधानमंत्री की भी यही मजबूरी थी। मानवता के हित की अमूर्त बात, युद्ध शुरू करने वालों का नाम लिए बिना शांति की वकालत, सभी पक्षों से तनाव कम करने का खोखला आग्रह। दुनिया के संकट में अपनी संवेदनशीलता और सतर्कता के छोटे दावे, मानो भारत की ड्क्षचता का दायरा अब केवल खाड़ी में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और तेल की उपलब्धि तक सीमित रह गया है। उसका ब्यौरा देने में भी सच से किफायत की–यह तो बताया कि भारत के पास तेल का कितना रिजर्व है लेकिन यह नहीं बताया कि यह सिर्फ एक हफ्ते लायक है। यह नहीं बताया कि चीन ने 3 महीने का रिजर्व बनाया और हमने तीन हफ्ते का भी नहीं। तेल में एथनॉल डालने का श्रेय तो लिया लेकिन यह नहीं बताया कि पिछले 10 वर्ष में देश में तेल खोजने वाली कंपनी ओ.एन.जी.सी. का भट्ठा किसने बैठाया।जब पूरी दुनिया के सामने बड़ा संकट तो और एक नेता देश की सर्वोच्च पंचायत में अपने छोटे फायदे के छोटे ब्यौरे पेश करे तो उससे सिर्फ उसका कद छोटा नहीं होता। उससे पूरे देश का माथा नीचा होता है।–योगेन्द्र यादव

बदहाल मुल्क भी भारत से ज्यादा खुशहाल क्यों?

अनिल जैन

वैश्विक आर्थिक मामलों के तमाम अध्ययन संस्थानों द्वारा भारत की आर्थिक स्थिति के गाए जा रहे शोक–गीतों के बीच कथित श्फलती–फूलती अर्थव्यवस्था, श्आर्थिक विकासश के तमाम सरकारी दावों की खिल्ली उड़ाने और उन्हें आईना दिखाने वाली एक और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट आ गई है। संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क और गैलप के सहयोग से ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा तैयार श्वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट–2026श बता रही है कि खुशमिजाजी के मामले में भारत का मुकाम दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों से ही नहीं बल्कि पाकिस्तान और नेपाल जैसे बदहाल समझे जाने वाले पड़ोसी देशों से भी पीछे बरकरार है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनडीपी तमाम आंकड़ों के आधार पर पहले ही बता चुकी है कि भारत टिकाऊ विकास के मामले में दुनिया के 167 देशों की सूची में 99वें स्थान पर है। अमेरिका और जर्मनी की एजेंसियों ने जानकारी दी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स में दुनिया के 123 देशों में भारत 102वें स्थान पर है। पेंशन सिस्टम की वर्ल्ड रैंकिंग में भारत 47 देशों में 45वें नंबर पर है। पासपोर्ट रैंकिंग में 199 देशों में भारत का 75वां नंबर भी देश की अर्थव्यवस्था खोखली हो जाने की गवाही देता है और अब श्वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्सश्य में दुनिया के 147 देशों में भारत का मुकाम 116वें नंबर पर है, जो पिछले साल के 118वें नंबर से थोड़ा बेहतर है। दुनिया भर में भारत की साख सिर्फ आर्थिक मामलों में ही नहीं गिर रही है बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सौहार्द्र, धार्मिक सहिष्णुता, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, अभिव्यक्ति की आजादी, मानवाधिाकार और मीडिया की आजादी में भी भारत की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग साल दर साल नीचे आती जा रही है। ऐसे में खुशहाली के मामले में भारत की स्थिति में गिरावट दर्ज होना जरा भी नहीं चौंकाता। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वे करके जारी की जाती है। इसमें अर्थशास्त्रियों की एक टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, दीर्घ जीवन की प्रत्याशा, सामाजिक सहयोग, स्वतंत्रता, उदारता आदि पैमानों पर दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों के इस अहसास को नापती है कि वे कितने खुश हैं। खुशहाल देशों के साथ ही सर्वाधिक नाखुश देशों की सूची भी जारी हुई है, जिसमें अफगानिस्तान शीर्ष पर है और भारत 32वें नंबर पर। दिलचस्प बात यह है कि 13 साल पहले यानी 2013 की रिपोर्ट में भारत 111वें नंबर पर था। तब से अब तक हमारे शेयर बाजार तो लगभग लगातार बढ़त पर ही रहे हैं। फिर भी इस दौरान हमारी खुशी का स्तर नीचे खिसक आने की वजह क्या हो सकती है? दरअसल यह रिपोर्ट इस हकीकत को भी साफ तौर पर रेखांकित करती है कि केवल आर्थिक समृद्धि ही किसी समाज में खुशहाली नहीं ला सकती। इसीलिये आर्थिक समृद्धि के महासागर माने जाने वाले अमेरिका (23) और ब्रिटेन (29) भी दुनिया के सबसे खुशहाल 10 देशों में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। अगर इस रिपोर्ट को तैयार करने के तरीकों और पैमानों पर सवाल खड़े किए जाएं, तब भी कुछ सोचने का मसाला तो इस रिपोर्ट से मिलता ही है। किसी भी देश की तरक्की को मापने का सबसे प्रचलित पैमाना जीडीपी या विकास दर है। फिर भी इसे लेकर कई सवाल उठते रहे हैं। एक तो यह कि जीडीपी किसी देश की कुल अर्थव्यवस्था की गति को तो सूचित करती है, लेकिन इससे यह पता नहीं चलता कि आम लोगों तक उसका लाभ पहुंच रहा है या नहीं। दूसरे, जीडीपी का पैमाना केवल उत्पादन वृद्धि के लिहाज से ही किसी देश की तस्वीर पेश करता है। ताजा हैप्पीनेस रिपोर्ट में फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल मुल्क है। वह लगातार नौवें साल शीर्ष पर बना हुआ है। फिनलैंड को दुनिया में सबसे स्थिर, सबसे सुरक्षित और सबसे सुशासन वाले देश का दर्जा दिया गया है। वह न्यूनतम भ्रष्ट और सामाजिक तौर पर प्रगतिशील है। उसकी पुलिस दुनिया में सबसे ज्यादा साफ–सुथरी और भरोसेमंद है। वहां हर नागरिक को मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त है, जो देश के लोगों की खुशहाली की बड़ी वजह है। वर्ष 2026 की रिपोर्ट में सबसे खुशहाल मुल्कों में फिनलैंड के बाद क्रमश आइसलैंड, डेनमार्क, कोस्टारिका, स्वीडन, नॉर्वे, नीदरलैंड, इजरायल, लक्जमबर्ग और स्विट्जरलैंड है। इन सभी देशों में प्रति व्यक्ति आय काफी ज्यादा है। यानी भौतिक समृद्धि, आर्थिक सुरक्षा और व्यक्ति की प्रसन्नता का सीधा रिश्ता है। इन देशों में भ्रष्टाचार कम है और सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा भी काफी है। लोगों पर आर्थिक सुरक्षा का दबाव कम है, इसलिए जीवन के फैसले करने की आजादी भी ज्यादा है। जबकि भारत की स्थिति इन सभी पैमानों पर बदतर है। यहां तक कि हम पाकिस्तान, नेपाल और फिलिस्तीन से भी बदतर स्थिति में है, जो कि हैरान करने वाली बात है। इस हकीकत की वजह शायद यह है कि भारत में विकल्प तो बहुतायत में हैं, लेकिन उन तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है, जिसकी वजह से लोगों में असंतोष है। इस स्थिति के बरअक्स कई देशों में जो सीमित विकल्प उपलब्ध हैं, उनके बारे में भी लोगों को ठीक से जानकारी नहीं है, इसलिए वे अपने सीमित दायरे में ही संतुष्ट और खुश हैं। फिर भारत में तो जितनी आर्थिक असमानता है, वह भी लोगों में असंतोष या मायूसी पैदा करती है। यह बात जरूर गौरतलब है कि कई बड़े देशों की तरह हमारे देश के नीति–नियामक भी आज तक इस हकीकत को गले नहीं उतार पाए हैं कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या विकास दर बढ़ा लेने भर से हम एक खुशहाल समाज नहीं बन जाएंगे। किसी देश की समृद्धि तभी मायने रखती है, जब वह नागरिकों के स्तर पर हो।

भारत और चीन की सरकारों का जोर अपने आम लोगों की खुशहाली के बजाय राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ाने पर रहता है। इसलिए आश्चर्य नहीं कि लंबे समय से जीडीपी के लिहाज से दुनिया में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने के बावजूद चीन और जर्मनी श्वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में अभी भी क्रमशः 65वें और 21वें स्थान पर हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन और जीवन पद्धति के सर्वथा प्रतिकूल श्पूंजी ही जीवन का अभीष्ट है के अमूर्त दर्शन पर आधारित नव–उदारवादी आर्थिक नीतियों और वैश्वीकरण से प्रेरित बाजारवाद के आगमन के बाद समाज में बचपन से अच्छे नंबर लाने, कैरिअर बनाने, पैसे कमाने और सुविधाओं के संसाधन जुटाने की एक होड़ शुरू हो गई है। इसमें जो पिछड़ता है वह निराशा और अवसाद का शिकार हो जाता है, लेकिन जो सफल होता है वह भी अपनी मानसिक शांति गंवा बैठता है। एकल और डिजाइनर परिवारों के चलन ने लोगों को बड़े–बुजुर्गों के सान्निध्य की उस शीतल छाया से भी वंचित कर दिया है जो अपने अनुभव की रोशनी से यह बता सकती थी कि जिंदगी का मतलब सिर्फ सफल होना नहीं, बल्कि समभाव से उसे जीना है। जाहिर है कि इसी का दुष्प्रभाव बढ़ती आत्महत्याओं, नशाखोरी, घरेलू कलह, रोडरेज और अन्य आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी के रूप में दिख रहा है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

सारे जन कहते यही, सबके दाता राम।
भाग्य बनेंगे कर्म से, अच्छा कर तू काम।।
अच्छा कर तू काम, यही है अर्जन जग में।
कंटक मिलते राह, भटक मत तू पग पग में।।
कहती रचना आज, जगत में दिखते हारे।
जो भटके है राह, वही तो पीड़ित सारे।।

कहते पालनहार है, सबके दाता राम।
भेदभाव करते नहीं, जप लो प्रभु का नाम।।
जप लो प्रभु का नाम, वही हर दुख है हरते।
डगमग करते पाँव, हृदय में हिम्मत भरते।।
कहती रचना आज, नदी सा शीतल बहते।
चलते सद की राह, उन्हे ही सज्जन कहते।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

किसानों की टिकाऊ आजीविका की रक्षा को जलवायु बदलाव नियंत्रण से जोड़ रहा एक सार्थक प्रयास

भारत डोगरा

देश के अधिकतम किसान छोटे किसान हैं जो अन्य समस्याओं के साथ मौसम में आ रहे अप्रत्याशित बदलावों को भी झेल रहे हैं। यदि उनकी टिकाऊ आजीविका की रक्षा को जलवायु बदलाव के नियंत्रण से भी जोड़ा जा सके, तो यह एक बहुत सार्थक पहल होगी। महोबा जिले (उत्तर प्रदेश) के जैतपुर प्रखंड के 50 गांवों में ऐसा ही एक प्रयास लगभग दो वर्षों से सृजन संस्था द्वारा हो रहा है जिसे एच.एफ.डी.सी. के परिवर्तन प्रयास से सहयोग मिल रहा है। इस प्रयास की बुनियाद में दो प्रमुख सोच हैं। पहली सोच यह है कि यदि जल व मिट्टी संरक्षण, वृक्षारोपण आदि के पर्यावरण रक्षा के प्रयास से ग्रामीण पर्यावरण में बेहतर सुधार कर लिया जाए तो इससे किसानों की टिकाऊ आजीविका की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है। तिस पर यदि प्राकृतिक खेती को फल व सब्जी के छोटे–छोटे बगीचों व आत्म–निर्भरता के तौर–तरीकों से आगे बढ़ाया जाए, तो किसानों का खर्च कम करने व स्वस्थ व अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद प्राप्त करने के उद्देश्य भी साथ–साथ प्राप्त हो जाते हैं। इस सोच को व्यवहारिक रूप देते हुए पिछले दो वर्षों में इस स्वावलंबन प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लगभग 24000 वृक्ष मानव–निर्मित सघन वनों में लगाए गए हैं, 210 फलों के बगीचे व 110 सब्जियों के बहु–स्तरीय बगीचे तैयार किए गए हैं। जल–संरक्षण के लिए वर्षा जल के प्राकृतिक निकासी नालों में मानवीकृत गड्ढे बनाए गए हैं जिन्हें दोहा कहा जाता है व जिनमें पानी वर्षा के महीनों बाद बचा रहता है। ऐसे 406 दोहे बनाए गए हैं, 11 चौक डैमों व 5 तालाबों की मरम्मत की गई है, 24 गेबियन व चौक डैम बनाए गए हैं, 220 कुंओं का पुनरुद्धार किया गया है। 528 एकड़ भूमि पर मेढ़बंदी व समतलीकरण कार्य पूरा किया गया है। बेहतर सिंचाई के लिए 214 स्प्रिंकलर सेट व 14 सौर ऊर्जा लिफ्ट सिंचाई के सेट उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अतिरिक्त गांवों में विशेषकर महिलाओं को संगठित कर विकास समितियां व किसान समूह बनाए गए हैं व महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रतिष्ठित किया गया है। इन समितियों में छोटे किसानों व कमजोर वर्गों को अधिक महत्व दिया गया है। इन विभिन्न प्रयासों का सम्मिलित असर यह हुआ है कि अनेक गांवों के प्रतिभाशाली किसानों ने अनुकूल स्थितियों का लाभ उठाते हुए बहुत रचनात्मक संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। सलैया माफ गांव में संतोष कुमार और वीना देवी ने आगे बढ़ कर प्राकृतिक खेती को अपनाया और साथ में अपना खर्च कम करते हुए उत्पादन को बढ़ा कर दिखाया। इसी गांव में श्याम सुंदर तेजी से इसी राह पर बढ़ रहे हैं। बेनीबाई ने बताया कि चौक डैम बनने से अब उस भूमि पर भी खेती हो रही है जो पहले बंजर थी। संजीव कुमार बहुत उत्साह से प्राकृतिक खेती का प्रचार कर रहे हैं। यही स्थिति नगारा डांग व बुधवारा गांवों की भी है। सुगीरा गांव में एक एकड़ भूमि पर सब्जी उगाते हुए अशोक कुशवाहा व हिमलेश देवी ने नई परिस्थितियों में अपनी इस भूमि से होने वाली आय को चार गुणा तक बढ़ा दिया। अशोक ने यह बताते हुए आंकड़े प्रस्तुत किया। लमौरा गांव में स्वामी प्रसाद व कस्तूरी देवी के खेत में बने बहु–स्तरीय सब्जी के बगीचे को देखने आसपास के कई किसान आ रहे हैं। स्प्रिकंलर खेती व प्राकृतिक खेती के बल पर उनके रचनात्मक प्रयास आगे बढ़ रहे हैं व 8 बीघे में वे फ ल, सब्जी सहित लगभग 50 उत्पाद एक ही वर्ष में उगा रहे हैं। मिश्रित खेती, कीड़ों व बीमारियों को दूर रखने, उचित फसल–चक्र को अपनाने की उनकी गहरी समझ है। उनकी तरह कामता प्रसाद व मुन्नी का खेत भी किसानों के लिए एक प्रशिक्षण केन्द्र की तरह है। कामता प्रसाद व मुन्नी को तथा उनके संयुक्त परिवार के अन्य सदस्यों को इस परियोजना के अन्तर्गत जंगली जानवरों से रक्षा के लिए मजबूत लोहे की फेनसिंग मिली। इस तरह प्रतिकूल स्थितियों में भी उन्होंने अच्छे उत्पादन की प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाया। लखन लाल व विमला देवी ने अपने खेत पर ही जैविक खाद तैयार की व इसे अन्य किसानों को भी उपलब्ध करवाया। इस तरह जो रचनात्मक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, वे जलवायु बदलाव पर नियंत्रण के संदर्भ में भी सार्थक है। जो किसान अपना खर्च कम कर रहे हैं, मिश्रित खेती अपना रहे हैं, जिनके गांवों में जल व मिट्टी संरक्षण हो रहा है वे सब जलवायु बदलाव के उतार–चढ़ाव का सामना करने में भी अधिक सक्षम हो रहे हैं। इन गांवों में रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं का उपयोग भी कम हो रहा है जिससे फॉसिल फ्यूल यानि जीवाश्म ईंधन का बोझ भी कम हो रहा है। लाडपुर जैसे जिन गांवों में सौर लिफ्ट सिंचाई की व्यवस्था की गई है वहां भी किसानों का खर्च बहुत कम होने व सिंचाई में सुधार के साथ डीजल के रूप में फॉसिल फ्यूल का बोझ कम हुआ है। छोटे किसानों के लिए सस्ते उपकरणों जैसे पावर टिलर उपलब्ध करवाने के केन्द्र खोल गए हैं। पावर टिलर में ट्रैक्टर से कहीं कम डीजल का उपयोग होता है व इस तरह फॉसिल फ्यूल का बोझ और कम होता है। पेड़ों की संख्या बहुत बढ़ने के साथ मिट्टी की गुणवत्ता सुधरने से भी कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ी है। इस तरह किसानों की आजीविका की रक्षा व जलवायु बदलाव का सामना करने की क्षमता बढ़ाने के कार्य इस प्रोजेक्ट में साथ–साथ आगे बढ़ सके हैं जो उत्साहवर्धक है।

कई बार गलत तरीके से छुआ फर्श से अर्श तक लाने वाले सनोज मिश्रा पर मोनालिसा ने लगाए शोषण के आरोप

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा पिछले कई दिनों से अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। उन्होंने पिछले दिनों अचानक मुस्लिम बॉयफ्रेंड से शादी रचाकर सबको हैरान कर दिया था। उनका कहना था कि इस शादी के लिए उनके घरवाले राजी नहीं थे, उन्होंने फैमिली के खिलाफ जाकर फरमान खान से शादी रचाई थी। वहीं, अब मोनालिसा एक अलग वजह से सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फर्श से अर्श पहुंचाने वाले फिल्ममेकर सनोज मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हाल ही में मोनालिसा ने उन्हें बॉलीवुड में लाने वाले फिल्ममेकर सनोज मिश्रा पर छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि वो एक अच्छा आदमी नहीं है। पति फरमान संग एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोते हुए मोनालिसा ने कहा कि वे दोनों इस समय ध मकियों और बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। मोनालिसा ने कहा, " मुझे पता है कि मुझ पर क्या बीती है, सनोज मिश्रा ने मुझे कई बार गलत तरीके से छुआ और जब मैंने अपने परिवार को इस बारे में बताया तो मेरी फैमिली ने भी मेरा साथ नहीं दिया। मेरे साथ अन्याय हुआ है और मुझे सिर्फ इंसाफ चाहिए। सनोज मिश्रा ने मुझे टच किया था और जब मैंने अपनी फैमिली को इस बारे में बताया तो उन्होंने कहा नहीं–नहीं पहली मूवी है तो क्या पहली मूवी के लिए मेरा रेप करवाओगे। मोनालिसा ने सनोज मिश्रा पर शोषण के आरोप लगाते हुए कहा कि सनोज मिश्रा इतने गंदे इंसान हैं कि वे फिल्मों का नाम लेकर कम उम्र की लड़कियों से बात करते हैं, उनके साथ छेड़छाड़ करते हैं और कहते हैं। मैं तुम्हें यह फिल्म दूंगा, तुम यह करो यह सब झूठ है। मनोज मिश्रा बहुत ही गंदे काम करते हैं। जब मोनालिसा से पूछा गया कि उन्होंने पहले पुलिस में शिकायत क्यों नहीं की, तो मोनालिसा ने कहा कि उन्होंने इस बारे में सोचा था, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया। उन्होंने कहा, मैं ऐसा करने ही वाली थी, लेकिन मेरे परिवार ने मुझे रोक दिया और कहा, अभी कुछ मत करो। मेरे परिवार ने मेरा साथ नहीं दिया, मैं वहां क्या कर सकती थी? मेरे परिवार ने मुझे छोड़ दिया। मैं पूरे देश की सरकार से गुजारिश करती हूं कि हमारी मदद करे, हमारे पोस्टर सरेआम जलाए जा रहे हैं। हमें सरेआम जान से मारने और काट डालने की धमकियां दी जा रही हैं। मोनालिसा ने यह भी आरोप लगाया कि फरमान से उनकी शादी के बाद सनोज मिश्रा उनकी निजी जिंदगी में दखल दे रहे हैं। वो मिश्रा दंगे करवाना चाहते हैं और सोचते हैं, मैं राजा की तरह बैठकर तमाशा देखूं, उन्हें आपस में लड़ने दूं और मरने दूं। मोनालिसा ने और आगे कहा, हम दोनों को सरेआम जान से मारने की धमकियां मिल रही हैंय इसके बावजूद, जनता बस हाथ पर हाथ धरे बैठी देख रही है। क्या प्यार करना कोई जुर्म है? और सनोज मिश्रा ठीक यही चाहते हैं। उन्हें लगता है, श्मोनालिसा मेरे पास क्यों नहीं आई? उसने फरमान से शादी क्यों की? सनोज मिश्रा ऐसे ही इंसान हैं। अपने पति के बारे में किए जा रहे झूठे दावों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, लेकिन यह सनोज मिश्रा, जो कि एक डायरेक्टर हैं, कुछ लोग उनके दबाव में आकर मेरे पति पर झूठे आरोप लगा रहे हैं कि वह एक आतंकवादी है. ऐसा कुछ भी नहीं है। पूरी दुनिया यह बात जानती है। बता दें, सनोज मिश्रा 2025 के कुंभ मेले के बाद मोनालिसा भोसले को बॉलीवुड में लेकर आए थे और उन्हें अपनी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में काम का मौका किया। ये मोनालिसा की बॉलीवुड में पहली मूवी होगी।

अब घर बैठे देख सकेंगे रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3'

जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मर्दानी 3' में रानी मुखर्जी अपने पुराने शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका में वापस आई हैं। अब फिल्म ओटीटी पर रिलीज को तैयार है। 'मर्दानी 3' शुक्रवार 27 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। खुद नेटफ्लिक्स की ओर से एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी साझा की गई है। फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, 'अपराधियों के बुरे दिन शुरू। शेरनी आ रही है शिकार करने। 27 मार्च को नेटफ्लिक्स पर मर्दानी 3 देखें।' अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' रानी मुखर्जी की 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इससे पहले इस फ्रेंचाइज की दो फिल्में 'मर्दानी' और 'मर्दानी 2' रिलीज हो चुकी हैं। इस तीसरी फिल्म में भी रानी मुखर्जी अपने पुराने शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस लौटी हैं। जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। फिल्म में रानी मुखर्जी के अलावा जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। फिल्म में पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय तीन महीनों के भीतर रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुई 93 लड़कियों के मामले की जांच करती हैं। रानी मुखर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो 'मर्दानी 3' के बाद अब अभिनेत्री के शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने की संभावना है। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित 'किंग' एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इसमें शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण, सुहाना खान, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी और सौरभ शुक्ला समेत कई कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे।

हल्की-फुल्की प्रेम कहानी का नया अंदाज, 'मां का सम' रिलीज डेट घोषित

भारत का सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टीनेशन, प्राइम वीडियो, ने आज अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल हल्के–फुल्के ड्रामा 'मां का सम' के वैश्विक प्रीमियर तारीख 3 अप्रैल घोषित की। इसे निकोलस खारकोंगोर ने डायरेक्ट किया है और बबीता अशिवाल ने यूनोइया फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह दिल को छू लेने वाली सीरीज एक सिंगल माँ और उसके 19 साल के बेटे के बीच के ताजगी भरे रिश्ते को दिखाती है, जो दोस्ती, आपसी भरोसे और एक–दूसरे को सपोर्ट करने की आजादी पर आधारित है। रवींदर रंधावा और सुमृत शाही द्वारा लिखी गई इस सीरीज में बहुमुखी और प्रतिभाशाली मोना सिंह, के साथ मिहिर आहूजा, अंगिरा धर, और रणवीर ब्रार मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह आठ–एपिसोड की सीरीज 3 अप्रैल से प्राइम वीडियो पर हिंदी में विशेष रूप से प्रीमियर होगी, और इसके साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में सबटाइटल्स उपलब्ध होंगे। यह सीरीज भारत और दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में देखी जा सकेगी।'मां का सम' कहानी है अगस्त्य की, जो अपने किशोरावस्था के आखिरी दौर में है और एक तेज दिमाग वाला गणितीय प्रतिभा का धनी लड़का है, और इसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य दुनिया को ग्राफ, नंबर और एल्गोरिदम के नजरिए से देखता है। उसके लिए हर समस्या का एक तार्किक हल होता है, यहा तक कि अपनी सिंगल मां विनीता (जिसे मोना सिंह ने निभाया है) के लिए सही साथी ढूंढना भी। इक्वेशन या इमोशन? लेकिन अगस्त्य की यह सावधानी से बनाई योजना जल्द ही एक मजेदार और दिल को छू लेने वाली यात्रा में बदल जाती है, जहां तार्किक सोच का सामना असली भावनाओं, अनपेक्षित मुलाकातों और जीवन की अनिश्चितताओं से होता है। हास्य, गर्मजोशी और गणित के साथ, 'मां का सम' मां–बेटे के रिश्ते को एक नई, ताजगी भरी और गहरी दृष्टि से पेश करता है। निखिल मधोक, डायरेक्टर एंड हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो, इंडिया, ने कहा, "रिश्तों पर आधारित कहानियों का हमेशा एक खास आकर्षण होता है क्योंकि ये भावनाओं और बंधनों को दिखाती हैं जो बहुत सार्वभौमिक और गहरी महसूस होती हैं।'' वह आगे कहते हैं, "माँ का सम के केंद्र में माँ–बेटे का रिश्ता है, जिसे एक अनोखे अंदाज और भावनात्मक गहराई के साथ पेश किया गया है। यह सीरीज इस रिश्ते की कोमलता, आपसी तकरार और बिना कहे एक–दूसरे को समझने की भावना को बहुत ही ईमानदारी और अपनेपन के साथ दिखाती है। मोना और मिहिर ने अपने किरदारों में जबरदस्त काम किया है। हम बहुत खुश हैं कि हम इस कहानी को 3 अप्रैल से दुनिया भर में अपने दर्शकों तक पहुँचाने जा रहे हैं।" "मां का सम की प्रोड्यूसर बबीता आशिवाल ने कहा, "इस सीरीज ने मुझे अपनी गर्मजोशी और रिश्तों को दिखाने के दिल से भरे अंदाज के कारण आकर्षित किया। मूल रूप से यह कहानी एक किशोर लड़के की है, जो गणित और डेटा के माध्यम से प्यार और बड़े होने की समझ बनाने की कोशिश कर रहा है। यह एक ऐसी कहानी है जिससे आप तुरंत जुड़ाव महसूस करते हैं, जिसमें हास्य और छोटे–छोटे सबक हैं जो हम सभी जिंदगी को समझने की कोशिश में सीखते हैं। प्राइम वीडियो हमेशा से काम करने के लिए एक बेहतरीन पार्टनर रहा है। माँ का सम एक पूरी तरह से परिवार के लिए देखने लायक सीरीज है, यह युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, सभी का मनोरंजन करने का वादा करती है। मैं 3 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर माँ का सम के विशेष प्रीमियर का इंतजार कर रही हूं।"

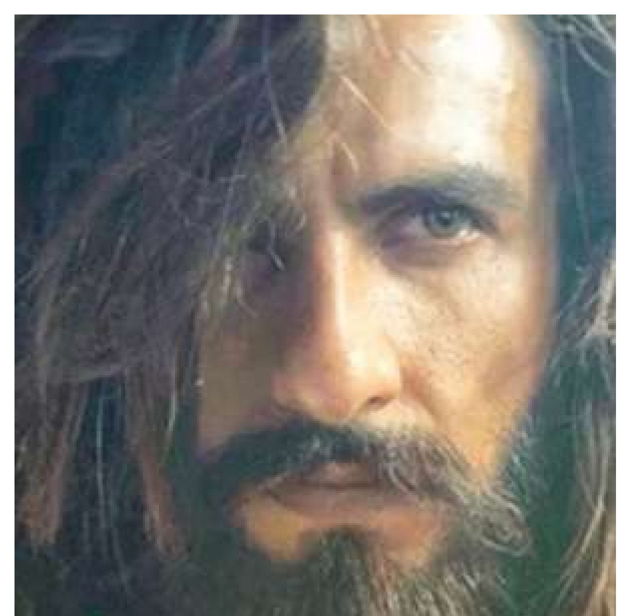

धुरंधर के एक्शन डायरेक्टर एजाज गुलाब ने हिंसक दृश्यों पर दी सफाई

धुरंधर द रिवेंज के एक्शन सीन्स को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसी के साथ कुछ लोगों को यह काफी आक्रामक भी लगे थे। एक बातचीत के दौरान फिल्म के एक्शन डायरेक्टर एजाज गुलाब ने इन सीन्स को शूट करने के पीछे के इरादों के बारे में चर्चा की। धुरंधरः द रिवेंज के एक्शन डायरेक्टर एजाज गुलाब ने हाल ही में दिए अपने इंटरव्यू में फिल्म के एक्शन सीन्स के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि, फिल्म में एक्शन सीन सिर्फ दिखावे के लिए नहीं थे। इन सीन्स के जरिए हर किरदार अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहा था। हमारी कोशिश थी कि बेमतलब का एक्शन फिल्म में न हो। साथ ही फिल्म के निर्देशक आदित्य धर ने उन्हें अपने तरीके से एक्शन सीन डिजाइन करने के लिए स्वतंत्र छोड़ दिया था। एक्शन डायरेक्टर ने आगे बताया कि धुरंधरः द रिवेंज के एक्शन सीन शूट करने के लिए उन सभी ने कड़ी तैयारी की। इस एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग में करीब 135 दिन लगे और 70 दिनों की मेहनत लगी। साथ ही यह भी कहा कि आदित्य धर ने बजट और समय की परवाह किए बिना अच्छे एक्शन सीन्स को प्राथमिकता दी। सिर्फ इतना कहा कि हर किरदार की भावुकता को ध्यान में रख कर एक्शन सीन बनाने हैं। फिल्म में सात असिस्टेंट, 12 स्टंट वुमेन, 300 स्टंट आर्टिस्ट मौजूद थे। साथ ही इंटरनेशनल लेवल पर यानिक बेन और सी–यंग ओह जैसे स्टंट निर्देशक भी इसका हिस्सा थे। पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर सैकड़ा जड़ने वाली 'धुरंधर 2' एक हफ्ते में 600 करोड़ से ऊपर की कमाई कर चुकी है। अब सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने सातवें दिन बुधवार को 48.25 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन अब भारत में 745.23 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

धुरंधर 2 की सफलता के बीच संजय दत्त ने की आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात, सामने आई तस्वीर

एक्टर संजय दत्त इन दिनों आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। फिल्म को न सिर्फ दर्शकों का ही प्यार मिल रहा है, बल्कि ये बॉक्स ऑफिस पर भी धुंआधार कमाई कर रही हैं। वहीं, हाल ही में फिल्म की सफलता के बीच संजय दत्त ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस मुलाकात के दौरान संजय दत्त और छ. बैंदकतंइइन छंपकन के बीच आंध्र प्रदेश में फिल्म इंडस्ट्री के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने को लेकर विस्तार से बातचीत हुई। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि आंध्र प्रदेश को एक प्रमुख फिल्म हब बनाया जाए, जहां बड़े पैमाने पर शूटिंग और प्रोडक्शन हो सके। संजय दत्त ने भी इस विजन में गहरी दिलचस्पी दिखाई और भविष्य में इस दिशा में सहयोग करने की इच्छा जताई। बता दें, संजय दत्त निर्देशक आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधररू द रिवेंज' में रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी जैसे सेलेब्स के साथ मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। 19 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में 700 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया है।

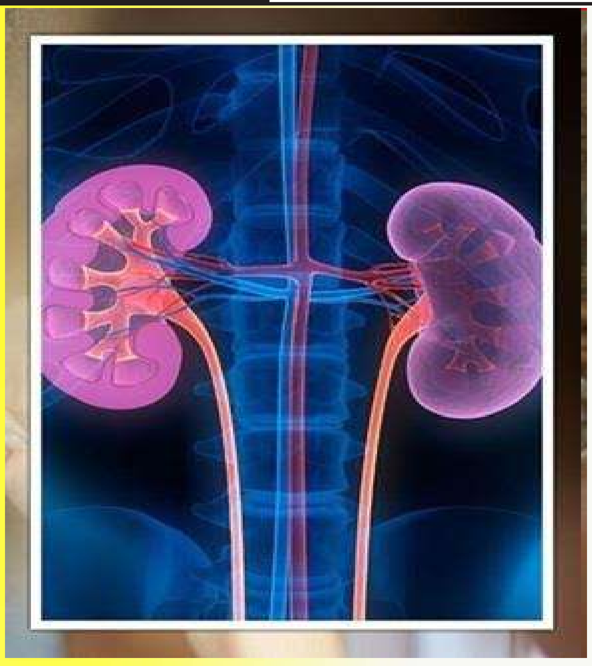

आंखें बता देती है किडनी का सारा हाल, शरीर ये 5 इशारों से समझो गुर्दे पर आए संकट को

किडनी की बीमारी को अक्सर एक खामोश बीमारी कहा जाता है, क्योंकि शुरुआती चरणों में यह बिना किसी साफ या चिंताजनक लक्षण के धीरे–धीरे बढ़ सकती है। हालांकि, जब शरीर में कुछ ठीक नहीं होता, तो वह कुछ हल्के संकेत जरूर देता है जिसे अकसर लोग नजरअंदाज कर देते हैं जैसे आंखों के आसपास सूजन या बार–बार मतली। डॉक्टरों के अनुसार, ये संकेत किडनी फंक्शन खराब होने की ओर इशारा कर सकते हैं। आइए जानें ऐसे ही 5 इशारों (छुपे हुए) संकेतों के बारे में

आंखों के आसपास सूजन

सुबह उठते ही आंखों के आसपास सूजन दिखना इस बात का संकेत हो सकता है कि किडनी प्रोटीन को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पा रही। यह शरीर में फ्लूइ रिटेंशन का संकेत भी है

मतली और उल्टी जैसा महसूस होना

अगर बिना किसी वजह के बार–बार जी मिचलाना या उल्टी जैसा लगे, तो यह शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने का संकेत हो सकता है। किडनी जब ठीक से काम नहीं करती, तो वेस्ट बाहर नहीं निकल पाता

थकान और कमजोरी

हमेशा थका हुआ महसूस करना या एनर्जी की कमी होना भी किडनी की समस्या से जुड़ा हो सकता है। किडनी आरबीसी (रेड ब्लड सेल्स) को प्रभावित करती है, जिससे कमजोरी आती है

पेशाब में बदलाव

बार–बार पेशाब आना या बहुत कम आना, झागदार या गहरे रंग का पेशाब। ये सभी किडनी फंक्शन खराब होने के संकेत हो सकते हैं

पैरों और टखनों में सूजन

अगर पैरों, टखनों या हाथों में सूजन बनी रहती है, तो यह शरीर में अतिरिक्त पानी जमा होने का संकेत है।

कब हो जाएं सतर्क?

अगर ये लक्षण लगातार दिखें या बढ़ते जाएं, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय पर जांच (ब्लड और यूरिन टेस्ट) बहुत जरूरी है। इसलिए किडनी को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर पानी पिएं। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने के लिए रोज 7,8 गिलास पानी जरूरी है। कम नमक, कम प्रोसेस्ड फूड और ज्यादा फल–सब्जियां खाएं

एक्टिव रहें

रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें। दर्द की दवाइयों का ज्यादा इस्तेमाल न करें। कुछ पेनकिलर्स किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नियमित जांच करवरते रहें खासकर अगर आपको डायबिटीज या हाई बीपी है। ध्यान रखें कि किडनी की बीमारी अक्सर चुपचाप बढ़ती हैकृइसलिए शरीर के छोटे संकेतों को समझना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

हेल्दी समझकर खा रहे हैं बासी चावल तो जानें पूरी सच्चाई

रात का बचा हुआ चावल अगले दिन गरम करके खाना आजकल हर घर में आम बात है। इसे लोग फूड वेस्ट कम करने का अच्छा तरीका मानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही आदत आपकी सेहत के लिए खतरा बन सकती है? हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बचे हुए चावल को सही तरीके से स्टोर न करने या बार–बार गरम करने से उसमें हानिकारक बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो फूड पॉइजनिंग का कारण बनते हैं।

क्यों बचे हुए चावल बन सकते हैं खतरनाक?

पके हुए चावल में बैक्टीरिया मौजूद हो सकता है। अगर चावल को लंबे समय तक कमरे के तापमान पर रखा जाए, तो यह तेजी से बढ़ता है और ऐसे टॉक्सिन बनाता है जो दोबारा गरम करने पर भी नष्ट नहीं होते।

बार–बार गरम करना क्यों है नुकसानदायक?

चावल को बार–बार फ्रिज से निकालकर गरम करना और फिर वापस रखना बैक्टीरिया को बढ़ने का मौका देता है। इससे टॉक्सिन्स की मात्रा बढ़ सकती है, जो पेट के लिए नुकसानदायक होती है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग इससे जल्दी प्रभावित हो सकते हैं।

बासी चावल खाने से दिख सकते हैं ये लक्षण

अगर आप खराब या ज्यादा समय तक रखे चावल खा लेते हैं, तो कुछ घंटों में ये समस्याएं हो सकती हैं

उल्टी और जी मिचलाना

पेट में दर्द और दस्त लगना

कमजोरी और थकान

डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) होना।

चावल को सही तरीके से स्टोर कैसे करें?

चावल पकाने के बाद जल्दी ठंडा करें

एयरटाइट कंटेनर में डालकर फ्रिज में रखें

24 घंटे के अंदर ही इस्तेमाल करें

ज्यादा देर तक कमरे के तापमान पर न छोड़ें।

सुरक्षित तरीके से कैसे खाएं बचे हुए चावल?

चावल को सिर्फ एक बार ही गरम करें

अच्छी तरह हाई हीट पर गरम करें

अगर बदबू या चिपचिपापन लगे, तो तुरंत फेंक दें

ज्यादा पुराने चावल बिल्कुल न खाएं।

सबसे बेहतर तरीका यही है कि जितनी जरूरत हो उतना ही खाना बनाएं। ताजा खाना हमेशा सेहत के लिए ज्यादा सुरक्षित और फायदेमंद होता है। बासी चावल खाना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन इसे सही तरीके से स्टोर और सीमित समय में इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। थोड़ी सी लापरवाही फूड पॉइजनिंग जैसी गंभीर समस्या का कारण बन सकती है।

पुदीना की पत्तियों का रस सेहत के लिए वरदान, शरीर को देगा ये बड़े फायदे

गर्मियों के मौसम में शरीर को बीमारियों से बचाने के लिए अच्छा खान–पान जरुरी है। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी इस मौसम में ऐसे फूड्स और ड्रिंक्स की सलाह देते हैं जो शरीर को पोषण भी दें और उसे ठंडा रखें। ठंडी चीजों की बात करें तो गर्मियों में पुदीने की पत्तियों का सेवन बेहद लाभकारी माना जाता है। इनकी तासीर ठंडी होती है ऐसे में बहुत से लोग इस मौसम में इसका सेवन करते हैं। इसकी सिर्फ चटनी ही नहीं बल्कि रस भी बेहद लाभकारी होता है। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए पुदीने की पत्तियों का रस पीने के फायदे बताते हैं। आइए जानते हैं।

पाचन बनेगा मजबूत

पुदीने की पत्तियों में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, नियासिन, विटामिन–ए, विटामिन–सी, सोडियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व गर्मियों में होने वाली समस्याएं जैसे पेट में दर्द, गैस, उल्टी और जी मिचलाने जैसी समस्याओं से राहत दिलवाने में मदद करते हैं। गर्मी के मौसम में यदि आपको पाचन संबंधी कोई समस्या होती है तो पुदीने की पत्तियों से बने रस में हींग मिलाकर पिएं।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

पुदीने के रस में कैलोरी भी काफी कम मात्रा में मौजूद होती है। ऐसे में यदि मोटापे से जूझ रहे हैं और वजन कम करना चाहते हैं तो यह आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इससे बने रस का सेवन करने से मेटाबॉल्जिम मजबूत बनता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

शरीर रहेगा हाइड्रेट

पुदीने की तासीर ठंडी होती है ऐसे में इसे पीने से शरीर को ठंडक मिलती है। यह शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। गर्मियों में यदि आपको बार–बार प्यास लगती है तो आप रोज दिन में एक बार पुदीने की पत्तियों से बना रस पी सकते हैं।

जलन और सूजन से मिलेगी राहत

कुछ लोगों को इस मौसम में शरीर के अलग–अलग हिस्से में जलन और सूजन महसूस होती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा दिलवाने के लिए भी पुदीने की पत्ते से बना रस लाभकारी हो सकता है। पुदीने में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो शरीर की सूजन और जलन कम कर सकते हैं।

स्किन बनेगी ग्लोइंग

इस मौसम में चेहरे पर पिंपल्स, एक्ने और कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं ऐसे में पुदीने का रस आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसे पीने से त्वचा मॉइश्चराइज होती है। साथ ही इससे त्वचा को ताजगी महसूस होती है। गर्मियों में होने वाली स्किन संबंधी समस्याओं से राहत पाने के लिए आप पुदीने का रस चेहरे पर लगा सकते हैं।

दोस्ती क्यों टूट जाती है? रोमांटिक रिश्ते के टूटने से भी बदतर होता है अनुभव, दर्द के सैलाब से कैसे निपटें?

जिंदगी में दोस्ती और दोस्तों का होना जरुरी है। इनके होने से हमारी जिंदगी इंद्रधनुष के सात रंगों की तरह खुशियों से भरी रहती है। कहा जाता है कि दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है, जो हमेशा एक जैसा रहता है। हालाँकि, सच्चाई इससे कोसो दूर है। अन्य रिश्तों की तरह दोस्ती के रिश्ते को भी देखभाल और समर्थन की जरुरत होती है। निरंतर देखभाल न की जाए तो दोस्ती का रिश्ता भी टूट जाता है। ये रोमांटिक रिश्ते के खत्म होने से भी ज्यादा बुरा हो सकता है। दोस्तों के साथ में हम अच्छा, बुरा और मनोरंजक समय बिताते हैं। इसीलिए दोस्ती टूटने पर हम बुरी तरह प्रभावित हो जाते हैं। हमें समझ नहीं आता कि आगे क्या करें? खुद को कैसे संभालें? आगे कैसे बढ़ें? अगर आप भी ऐसी किसी परिस्थिति से गुजरे हैं तो यकीन मानिए आप अकेले नहीं है। अमेरिका के एक अध्ययन से पता चला है कि 86: टीनएजर्स ने दोस्ती टूटने का अनुभव किया है। इनके मुताबिक, रोमांटिक रिश्ते के टूटने पर जितना बुरा महसूस होता है, दोस्तों को खोना भी उतना ही कठिन अनुभव है। एक व्यक्तिगत विकास समूह के हालिया सत्र में, 20 और 30 साल के कई लोगों ने दोस्ती टूटने और दोस्तों के छूट जाने पर बातचीत की। सभी के अनुभव लगभग एक जैसे थे। सभी लोगों की दोस्ती लगभग एक जैसे कारणों की वजह से टूटी थी। लोगों ने बताया कि सब कुछ ठीक था, लेकिन फिर एक दिन दोस्त ने लंबा चौड़ा मैसेज भेजा और कहा कि वह दोस्ती से खुश नहीं हैं और आगे इसे बढ़ाना नहीं चाहते हैं।

दोस्तों के दोस्ती खत्म करने पर लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी?

सभी लोगों ने एक जैसी प्रतिक्रिया दी। मैंने इसे आते हुए कैसे नहीं देखी? मेरा दोस्त इसे कैसे ख़त्म कर सकता है? इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा, 'मैं इतना निराश क्यों महसूस कर रहा हूँ, जबकि ऐसा नहीं है कि वे मेरे जीवन साथी या कुछ और हैं?' एक अन्य ने कहा, 'मैं इस बारे में कैसे बात कर सकता हूं कि यह कितना बुरा लगता है। लोग शायद सोचेंगे कि मैं जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया कर रहा हूं?'

दोस्ती में अहम भूमिका निभाता है लगाव?

किशोरावस्था के दौरान हम बदलावों से गुजरते हैं। हमारे साथ हमारे रिश्ते भी बदलते हैं। बचपन में हमारा रिश्ता माता–पिता के साथ होता है, जो देखभाल पर जुड़ा होता है। लेकिन किशोरावस्था में चीजें बदलती है और ये हमें भविष्य के लिए तैयार करती हैं। किशोरावस्था हमारे झुकाव को माता–पिता से हटाकर ऐसे लोगों की ओर स्थानांतरित कर देती है, जिनपर हम सबसे अधिक भरोसा करते हैं या फिर जिसके साथ अंतरंग संपर्क चाहते हैं जैसे रोमांटिक पार्टनर या सच्चा दोस्त। जहाँ रोमांटिक पार्टनर बदलते रहते हैं, वहीं दोस्त लंबे समय तक रह सकते हैं। इसलिए एक दोस्त के साथ के रिश्ते को अन्य किसी भी रिश्ते से मजबूत माना गया है।

सदमा और अस्वीकृति– एक्सपर्ट के अनुसार, यदि आपने इसे (दोस्ती टूटने) को आते हुए नहीं देखा तो यह विशेष रूप से भ्रामक हो सकता है। शोध से पता चलता है कि ज्यादातर लोग दोस्ती तोड़ देते हैं और इसके पीछे के मुद्दों पर बात करने की बजाय इन्हें टाल देते हैं। यह एक सदमे जैसा महसूस हो सकता है और यह इस बात को अस्वीकार्य करना परेशान कर सकता है। इससे आपका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है।

दोस्ती ख़त्म होने के पीछे क्या कारण?

युवावस्था में दोस्ती खत्म होने के कई कारण होते हैं। इन कारणों में शारीरिक अलगाव होना, पुराने दोस्तों की जगह नए दोस्त बना जाना, दोस्त के प्रति नापसंदगी बढ़ना और डेटिंग या शादी के कारण हस्तक्षेप होना शामिल है। जब हम एक रोमांटिक रिश्ते में शामिल हो जाते हैं तब दोस्ती को कम समय देने लगते हैं। ऐसे में अगर आपका कोई दोस्त सिंगल है तो यकीनन उसके दिल में बुरे ख्याल आने लगेंगे। वह अकेला महसूस कर सकता है, उसे जलन हो सकती है या फिर वो डरा हुआ महसूस कर सकता है।

सहानुभूति और संचार मदद कर सकता है

दोस्ती का रिश्ता जीवन में हो रहे बदलावों की वजह से खत्म नहीं होना चाहिए न ही आपको इसे खत्म होने देना चाहिए। दोस्त जरुरी है क्योंकि हम हर बात अपने पार्टनर या परिवार से साझा नहीं कर सकते हैं। इसलिए अगर आपके जीवन के बदलाव आपकी दोस्ती को प्रभावित कर रहे हैं तो दोस्त के साथ बैठिये और उनसे बात कीजिये। बातें करने से मुद्दे साफ हो जाएंगे। बात करके, आप एक–दूसरे को दोस्ती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त भी कर सकते हैं। भले ही आपको एक साथ पहले जितना समय नहीं मिल रहा, लेकिन जितना मिल रहा है उसके हिसाब से एडजस्ट करने की कोशिश करें।

संचार विफल हो जाए तो क्या करें?

हमेशा अच्छे की उम्मीद करने से अच्छा नहीं होता है। जरुरी नहीं कि आपने अपनी दोस्ती को ठीक करने की जो दिमाग में कल्पना की है वैसे ही सब हो जाए। हो सकता है जिस रिश्ते को आप ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं वो अब ठीक करने लायक बचा ही नहीं है। आप दोस्त से बात करना चाहते है, लेकिन वे आपसे बात नहीं करना चाहते हैं? फिर क्या करेंगे आप? इससे आपकी भावनाएँ आहत हो सकती हैं। इससे भी बदतर अगर कुछ होगा तो वो ये कि जिस दोस्त के साथ आप सब ठीक करना चाहते हैं वो आपको और ज्यादा बुरा महसूस करवा सकता है। हो सकता है कि हर चीज के लिए वो आपको दोष दे सकता है। ऐसे में क्या किया जाए? इस परिस्थिति में दोस्ती को जाने देना सबसे अच्छा है।

दोस्ती टूटने के बाद तनाव कम करने के लिए क्या करें?

दोस्ती टूटने के बाद खालीपन महसूस हो सकता है, लेकिन एक चीज जो आपको समझने की जरुरत है वो यह है कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। घाव भरने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन ये भर जायेंगे। इस दौरान आप इन्हें खुद से खुरेदने की कोशिश न करें। कभी–कभी दर्द का सैलाब महसूस हो सकता है, जिसे ब्रीथिंग एक्सरसाइज की मदद से कम किया जा सकता है। जब तक शांत महसूस न करें तब तक ब्रीथिंग एक्सरसाइज का अभ्यास करते रहें।

संक्षिप्त

एअर इंडिया की लंदन जाने वाली फ्लाइट सात घंटे बाद दिल्ली लौटी

नई दिल्ली,एजेंसी। एअर इंडिया से जुड़ी एक और चिंता वाली खबर सामने आई है। गुरुवार दोपहर को एअर इंडिया की दिल्ली से लंदन के हीथ्रो जाने वाली उड़ान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण विमान को उड़ान भरने के घंटों बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा। इस घटना से यात्रियों को न केवल अप्रत्याशित असुविधा का सामना करना पड़ा बल्कि एयरलाइन के बेड़े में हाल ही में शामिल किए गए आधुनिक विमानों की हालत पर भी सवाल खड़े हो गए। गुरुवार सुबह लगभग छह बजे, एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI111 ने दिल्ली से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24.com पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, विमान जब सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में था, तब इसे वापस मोड़ने का बड़ा निर्णय लिया गया। इस निर्णय से पहले विमान लगभग चार घंटे तक हवा में रह चुका था। वापसी की यात्रा को मिलाकर, यह विमान कुल सात घंटे तक हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित वापस उतर गया। सूत्रों ने जानकारी दी है कि उड़ान के दौरान विमान के अंदर कुछ आवाजें सुनी गई थीं, जिसके बाद यह मार्ग बदलने का फैसला किया गया। इस उड़ान में कुल कितने यात्री सवार थे, फिलहाल इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान की वापसी का फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया। एक संदिग्ध तकनीकी खराबी सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया। प्रवक्ता ने कहा कि विमान सुरक्षित उतर गया है और एअर इंडिया के उच्च सुरक्षा मानकों के तहत इसकी विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई इस अप्रत्याशित परेशानी के लिए खेद जताते हुए कहा है कि विमानन कंपनी उन्हें जल्द से जल्द लंदन पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। एअर इंडिया ने इसी साल जनवरी 2024 से इन नए ए350–900 विमानों का संचालन शुरू किया है। जिस विमान के साथ यह घटना हुई, उसका तकनीकी समस्याओं का पिछला रिकॉर्ड भी सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, 15 मार्च को भी इसी विमान में तकनीकी खराबी आई थी। उस समय यह विमान न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रहा था और तकनीकी समस्या के कारण इसे आयरलैंड के शैनन शहर की ओर डायवर्ट करना पड़ा था। एक ही विमान में इतने कम समय में दो बार तकनीकी खामी का आना, एयरलाइन के बेड़े के रखरखाव के नजरिए से ध्यान देने योग्य विषय है। एअर इंडिया के लिए नए ए350–900 विमानों में आ रही ये तकनीकी कमियां एयरलाइन के लिए परिचालन संबंधी चिंता का विषय बन सकती हैं। आगे चलकर, इस घटना की विस्तृत तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट से ही खराबी के मूल कारण का पता चलेगा।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच एशियाई शेयर बाजारों में दिखी गिरावट

नई दिल्ली,एजेंसी। एशियाई शेयर बाजारों में गुरुवार को ज्यादातर गिरावट दर्ज की गई, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त देखने को मिली। निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल बना हुआ है, क्योंकि ईरान से जुड़े युद्ध में तनाव कम होने को लेकर अभी भी स्पष्टता नहीं है। बुधवार को वॉल स्ट्रीट के शेयर बाजार में तेजी के साथ कारोबार समाप्त हुआ। एसएंडपी 500 में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 6,591.90 पर पहुंच गया। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 46,429.49 पर पहुंच गया, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 21,929.83 पर बंद हुआ। अमेरिकी वायदा बाजार में 0.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद फिर से उछाल आया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.3 प्रतिशत बढ़कर 98.51 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। बुधवार को यह 95 अमेरिकी डॉलर से नीचे था। अमेरिकी मानक क्रूड 1.6 प्रतिशत बढ़कर 91.75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। गुरुवार की सुबह बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोने की कीमत 0.8 प्रतिशत गिरकर 4,513.90 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गई। चांदी की कीमत में 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 71.97 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गई। अमेरिकी डॉलर 159.47 जापानी येन से गिरकर 159.42 जापानी येन पर आ गया। यूरो 1.1559 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1.1570 अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

भारत सरकार ने वीरता पदक विजेताओं को रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा दी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सरकार ने सेना, नौसेना और वायुसेना में वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस आदेश के तहत, इन वीरता पुरस्कार विजेताओं को भारतीय रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रथम श्रेणी, सेकेंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ उपलब्ध होगी। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह रियायत देश के बहादुर जवानों के सम्मान में दी गई है। यह योजना उन सभी सैनिकों पर लागू होगी जिन्हें सेना, नौसेना या वायुसेना पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार विजेताओं के जीवनसाथी भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इसमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, जब तक वे पुनर्विवाह नहीं करते। इसके अतिरिक्त, अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता–पिता को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी। यह कदम देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले और वीरता दिखाने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। इससे इन परिवारों को यात्रा में आर्थिक सहायता मिलेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। भारतीय रेलवे इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करेगा। यह सुविधा पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मान्य होगी।

1770 करोड़ नेटवर्थ, ग्लैमर-खूबसूरती के साथ बिजनेस में भी धुरंधर

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी 16000 करोड़ रुपये में बिक गई है। इस डील के बाद अनन्या बिड़ला अचानक चर्चा में आ गई हैं। वह देश के दिग्गज उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी और आरसीबी के नए चेयरमैन आर्यमान बिड़ला की बहन हैं। हालांकि, 31 साल अनन्या सिर्फ एक बिजनेस फैमिली की सदस्य नहीं, बल्कि अपनी अलग पहचान बनाने वाली युवा उद्यमी और गायिका हैं। अनन्या का नाम तब चर्चा में आया जब वह सोमवार को गुजरात टाइटंस के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रेजेंटिंग पार्टनर के तौर पर पहुंचीं। बिड़ला स्टेट्स का नाम गुजरात की जर्सी पर फ्रंट में लिखा होगा। इस कार्यक्रम में वह शुभमन गिल के साथ सोफे पर बैठी नजर आईं थीं। इसके बाद लोगों ने मीम बनाना शुरू किया और अनन्या को गुजरात की मालकिन बताने लगे। हालांकि, अनन्या ने उस मीम को शेयर कर और फिर जवाब देकर मामला साफ किया। इसके बाद मंगलवार को आरसीबी को यूएसएल से आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 1.78 बिलियन यूएस डॉलर (भारतीय रुपये में करीब 16000 करोड़) में खरीदा। यानी आरसीबी का स्वामित्व अब आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम, जिसमें द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की परपेचुअल प्राइवेट इक्विटी स्ट्रैटेजी शामिल है, के पास चला गया है। ऐसा होते ही पहले तो आर्यमान और फिर अनन्या चर्चा में आईं। अनन्या ने आर्यमान को आरसीबी चेयरमैन बनने पर बधाई दी और फैंस का आभार जताया। 1994 में मुंबई में जन्मीं अनन्या बिड़ला ने अपनी शुरुआती पढ़ाई अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की। इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफॉर्ड से इकोनॉमिक्स और मैनेजमेंट में डिग्री हासिल की। कम उम्र से ही उनमें बिजनेस और क्रिएटिव फील्ड्स में रुचि दिखने लगी थी, जिसने उनके करियर की मजबूत नींव रखी। अनन्या की मां नीरजा बिड़ला ने भी हमेशा उनका साथ दिया। अनन्या अपनी बहन अद्वेतेशा से भी खूब प्यार करती हैं। अनन्या ने महज 17 साल की उम्र में स्वतंत्र माइक्रोफिन की शुरुआत की। इस कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को छोटे लोन देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। आज यह कंपनी देश की प्रमुख माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं में गिनी जाती है। इसके अलावा उन्होंने इकाई असाई जैसे प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किए हैं।

बिजनेस के साथ–साथ अनन्या ने इंटरनेशनल म्यूजिक इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई। वह पहली भारतीय कलाकार बनीं जिनका अंग्रेजी गाना प्लेटिनम सर्टिफाइड हुआ। उनके गानों को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली, हालांकि बाद में उन्होंने म्यूजिक से थोड़ा दूरी बनाकर बिजनेस और निवेश पर फोकस किया। उनका गाना सर्कल्स युवाओं के बीच सुपरहिट रहा। अनन्या बिड़ला ने अपनी जिंदगी में एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्याओं का सामना किया है। इसी अनुभव से प्रेरित होकर उन्होंने एम–पावर की सह–स्थापना की। यह पहल भारत में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने पर काम करती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अनन्या बिड़ला की कुल संपत्ति 1000 करोड़ रुपये से 1770 करोड़ रुपये के बीच आंकी जाती है। मुंबई में उनका एक आलीशान घर है, जिसकी कीमत करीब 425 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा उनके पास कई लग्जरी कारें और ग्लोबल निवेश भी हैं। खास बात यह है कि उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनके खुद के बिजनेस से आया है। जब आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व में एक कंसोर्टियम ने आरसीबी को 16000 करोड़ में खरीदा, तो सोशल मीडिया पर अनन्या बिड़ला की तस्वीरें और प्रोफाइल तेजी से वायरल हो गईं। लोग उनके लाइफस्टाइल, करियर और उपलब्धियों के बारे में जानने लगे, जिससे वह इंटरनेट सेंसेशन बन गईं। अनन्या को खेलों में भी खूब रुचि है। हाल ही में जब लियोनल मेसी और सुआरेज भारत दौरे पर आए थे, तो अनन्या ने उनसे मुलाकात भी की थी। अनन्या बिड़ला सिर्फ एक बिजनेस टायकून की बेटी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की उस सोच का प्रतीक हैं, जो अपनी पहचान खुद बनाना चाहती है। चाहे 17 साल की उम्र में कंपनी शुरू करना हो, म्यूजिक में इंटरनेशनल पहचान बनाना हो या समाजसेवा में योगदान देना, उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी अलग छाप छोड़ी है।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी है सनराइजर्स का पलड़ा, कोहली पर होगी नजर, हैदराबाद को शीर्ष क्रम से आस

बंगलूरू,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच 28 मार्च को बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आंकड़ों में आरसीबी के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद का पलड़ा भारी रहा है। आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 25 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जीते हैं, जबकि 11 मुकाबलों में आरसीबी को जीत नसीब हुई है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का प्रदर्शन पिछले सीजन शानदार रहा था। आरसीबी ने 18 साल का सूखा खत्म करते हुए पहली बार खिताब को अपने नाम किया था। कागज पर आरसीबी की टीम इस बार भी काफी दमदार नजर आ रही है। बल्लेबाजी में विराट कोहली और फिल सॉल्ट पिछले सीजन टीम को तूफानी शुरुआत देने में सफल रहे थे। कोहली–सॉल्ट की सलामी जोड़ी आगामी सीजन में भी टीमों के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है। वहीं, देवदत्त पडिक्कल के लिए घरेलू सीजन कमाल का रहा है। पडिक्कल इस बार नंबर तीन पर खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं। टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी आतिशी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। वहीं, रोमारियो शेफर्ड और क्रुणाल पांड्या से इस सीजन भी टीम को धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वेंकटेश अय्यर के आने से टीम का बल्लेबाजी क्रम अब और भी ज्यादा संतुलित दिख रहा है। आरसीबी के लिए बुरी खबर यह है कि टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड शुरुआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भुवनेश्वर कुमार के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी होगी। ईशान किशन की तिकड़ी से हैदराबाद को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान शुरुआती मुकाबलों में टीम की कमान संभालते हुए भी नजर आएंगे। हेनरिक क्लासन पिछले सीजन टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। फिनिशर के तौर पर अनिकेत वर्मा आईपीएल 2025 में अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। नीतीश कुमार रेड्डी इस सीजन शानदार प्रदर्शन के बूते छाप छोड़ना चाहेंगे, जबकि लियाम लिविंगस्टन से भी हैदराबाद टीम को काफी उम्मीदें होंगी। सनराइजर्स हैदराबाद का गेंदबाजी आक्रमण काफी कमजोर नजर आ रहा है।

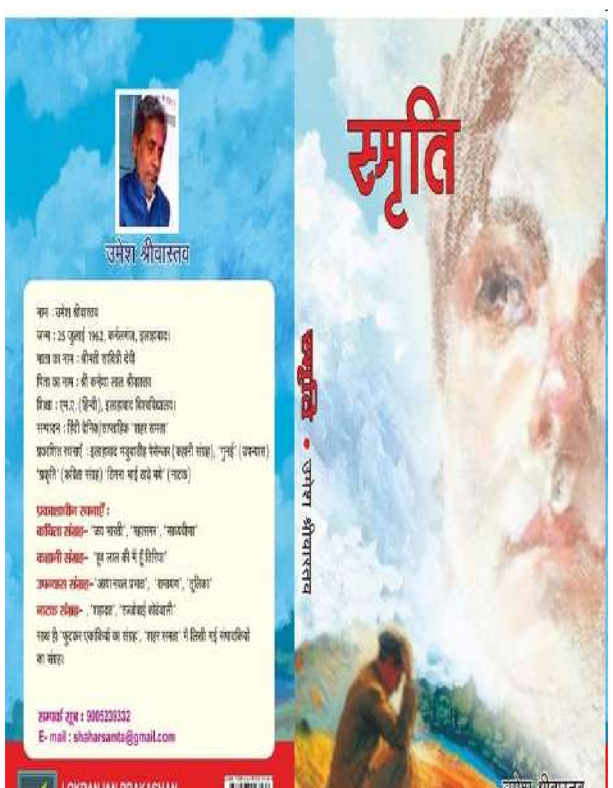

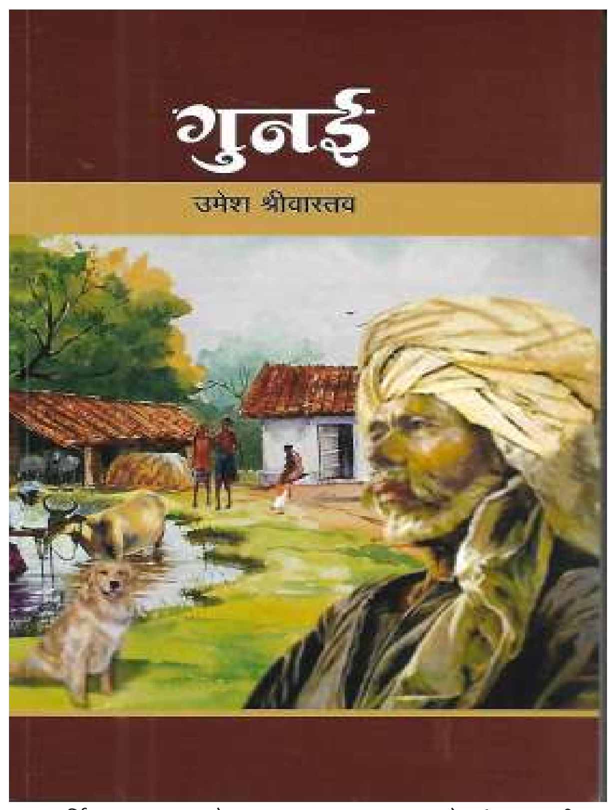

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

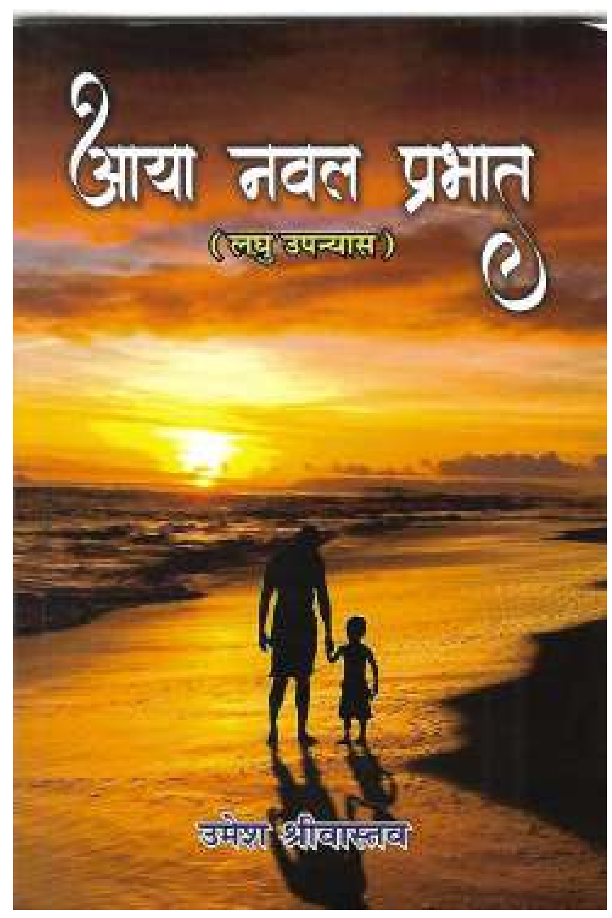

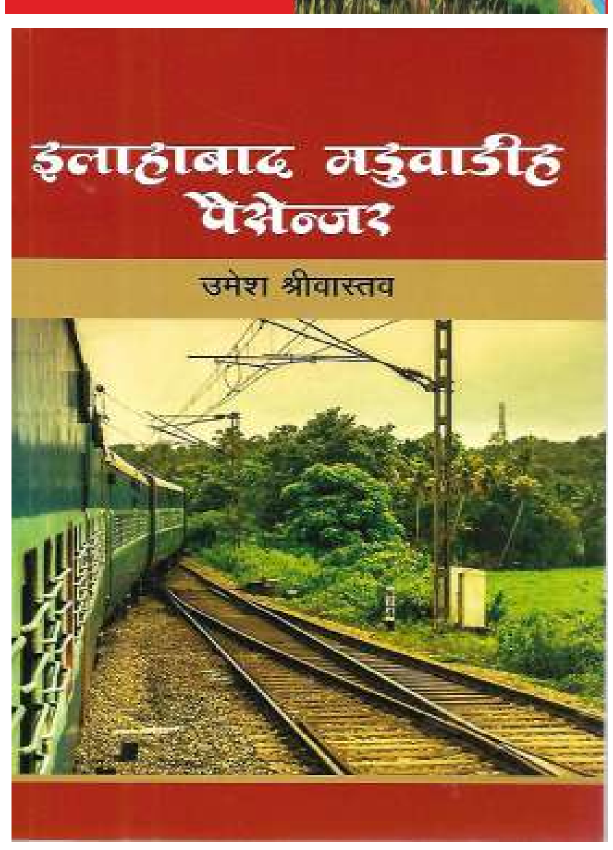

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

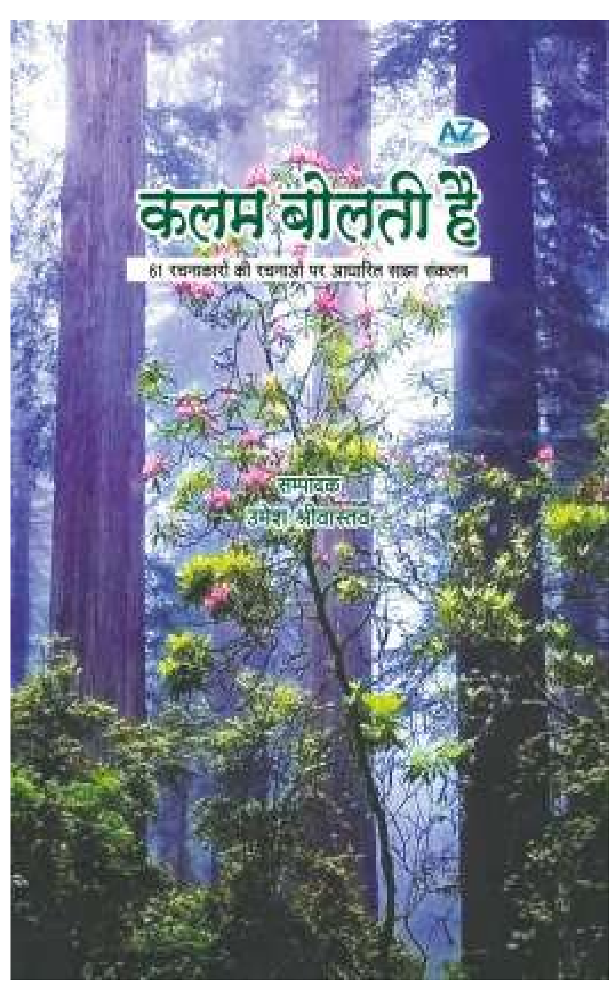

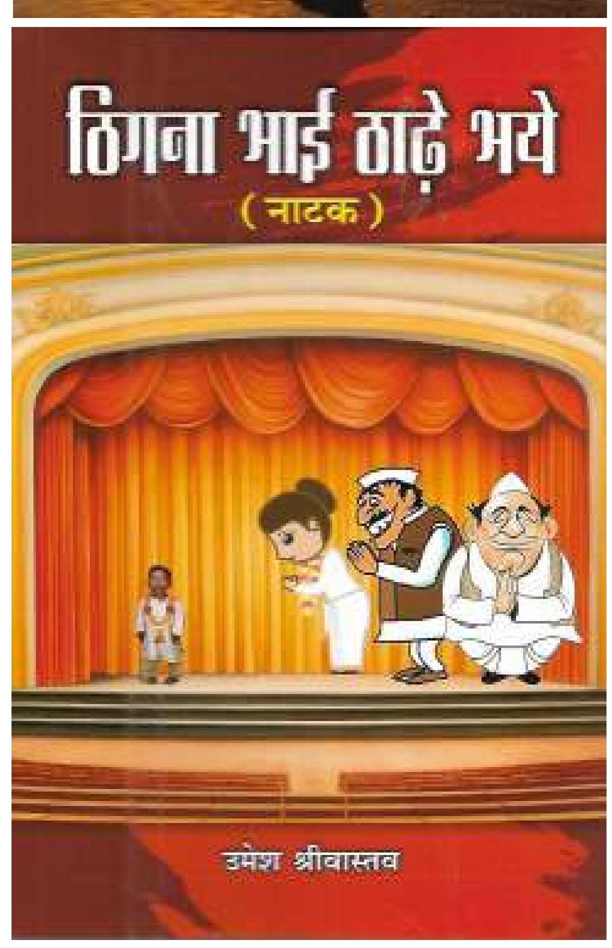

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान का अमेरिका पर तंज, ख्वाजा आसिफ बोले- अब युद्ध का मकसद सिर्फ होर्मुज खुलवाना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच पाकिस्तान ने अमेरिका पर तंज कस रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ऐसा लगता है कि अब युद्ध का मकसद बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब सारा ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवाने पर है। दरअसल, इस ईरान–अमेरिका युद्ध के चलते ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। यह रास्ता दुनिया के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि वैश्विक तेल व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। इसके बंद होने से दुनिया भर में ईंधन की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस रास्ते को खुलवाने के लिए दुनिया के देशों से एकजुट होने की अपील की थी। इस मामले पर अब पाकिस्तान रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा, ऐसा लगता है कि अब युद्ध का मकसद बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब सारा ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवाने पर लगा है, जबकि यह रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले खुला ही था। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान खुद अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता और मेजबानी करने की कोशिश में जुटा है। हालांकि ईरान ने बुधवार को अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया। इसके साथ ही ईरान ने इजरायल और खाड़ी देशों पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। ईरान ने कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान की यह कार्रवाई इजरायल के तेहरान पर किए गए हवाई हमलों और अमेरिका की तरफ से मरीन सैनिकों की नई तैनाती के जवाब में देखी जा रही है। ईरान के सरकारी मीडिया प्रेस टीवीश ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान अपनी शर्तों पर ही युद्ध खत्म करेगा। एजेंसी के अनुसार, पाकिस्तान के मध्यस्थों ने अमेरिका की तरफ से ईरान को 15 सूत्रीय शांति योजना सौंपी थी। इस योजना में ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाने, परमाणु कार्यक्रम को वापस लेने, मिसाइलों की सीमा सीमित करने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की शर्तें रखी गई थीं। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जल्द खुल जाएगा। वे ईरानी शासन के सही लोगों से बात कर रहे हैं।

युद्ध के बीच बोले ट्रंप- यूएस का खौफ है, अब कोई नहीं चाहता तेहरान की कमान, ईरान को बताया कैंसर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि कोई भी शख्स ईरान का नेतृत्व करना नहीं चाहता, क्योंकि उसे अपने ही लोगों और अमेरिका दोनों से मारे जाने का डर रहता है। ट्रंप ने यह बयान एनआरसीसी वार्षिक फंडरेजिंग डिनर में दिया। इस कार्यक्रम में उन्होंने ईरान को कैंसर भी बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके नेतृत्व में अमेरिका ने आठ युद्धों को सुलझाया है और ईरान के साथ भी स्थिति उसी दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत करना चाहता है, लेकिन खुलकर यह बात कहने से डरता है। उनके मुताबिक, ईरानी नेतृत्व को अपने ही लोगों और अमेरिका दोनों से खतरा महसूस होता है। ट्रंप ने 2015 के परमाणु समझौते से बाहर निकलने के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान इस समझौते का पालन नहीं कर रहा था। उन्होंने कहा कि अगर यह जारी रहता, तो ईरान बहुत जल्द परमाणु हथियार हासिल कर लेता। उन्होंने कहा कि मैंने राष्ट्रपति बनते ही इस समझौते को समाप्त कर दिया। अपने पहले कार्यकाल का जिक्र करते हुए ट्रंप ने ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या को एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने सुलेमानी को खतरनाक और प्रभावशाली नेता कहा और दावा किया कि उसके बाद ईरान को वैसा नेतृत्व नहीं मिल पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई आवश्यक थी। ट्रंप ने कहा कि मैंने इस खतरे को एक कैंसर के रूप में उजागर किया, जिसे काटकर खत्म करना होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें जो करना था वह था इस कैंसर से छुटकारा पाना। हमें इस कैंसर को जड़ से उखाड़ फेंकना था। यह कैंसर परमाणु हथियार से लैस ईरान था। हमने इसे जड़ से उखाड़ फेंका है। अब हम इसे पूरी तरह से खत्म करने जा रहे हैं।

पाकिस्तान-अफगान सीमा पर फिर भड़की हिंसा, युद्ध विराम खत्म होते ही गोलीबारी, दो नागरिकों की मौत

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अस्थायी युद्धविराम खत्म होते ही सीमा पर एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। बुधवार को हुई इस गोलीबारी में कम से कम दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अफगान अधिकारियों के अनुसार, यह संघर्ष कुनार प्रांत के नाराई और सरकानो जिलों में हुआ, जहां पाकिस्तान की ओर से भारी गोलाबारी की गई। सूचना विभाग के अधिकारी जियाउर रहमान स्पींघर ने बताया कि दर्जनों तोप के गोले दागे गए, जिससे नागरिकों को भारी नुकसान हुआ। अफगान सीमा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के तीन सैन्य चौकियों को नष्ट करने और एक व्यक्ति के मारे जाने का दावा किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर,9190052 39332
,919450482227

पश्चिम एशिया में शांति के संकेत: ट्रंप सलाहकारों से बोले- समाधान खोजें! क्या खत्म होगी ईरान-US के बीच जंग?

वाशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व से एक राहत भरी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ संघर्ष को खत्म करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने अपने शीर्ष सलाहकारों को निर्देश दिया है। ट्रंप ने सलाहकारों से कहा कि सैन्य संघर्ष को आने वाले कुछ हफ्तों के भीतर ही समाप्त करने का रास्ता निकालें। सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप अब इस लंबी खिंचती लड़ाई को और खींचने के मूड में नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति शैंड डीलश के जरिए इस अध्याय को बंद करना चाहते हैं। 28 फरवरी

2026 को शुरू हुए श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश के बाद से ही ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। लेकिन अब ट्रंप प्रशासन रणनीतिक बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अनंत युद्ध के पक्ष में नहीं हैं। ट्रंप का मानना है कि ईरान पर पर्याप्त दबाव बनाया जा चुका है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के हवाले से जानकारी दी है कि ट्रंप ने निजी तौर पर सलाहकारों को सूचित किया है कि उन्हें लगता है कि विवाद अपने अंतिम चरण में है। ट्रंप ने उनसे आग्रह किया है कि वे सार्वजनिक रूप से चार से छह सप्ताह की समयसीमा का पालन करें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शीर्ष सलाहकारों के साथ बैठक में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन युद्ध खींचने में नहीं, बल्कि उन्हें खत्म करने में माहिर है। ट्रंप ने कहा कि मेरे पिछले कार्यकाल और अब तक के रिकॉर्ड को देखें, तो हमने 8 युद्धों को समाप्त किया है। मैं नहीं चाहता कि ईरान के साथ यह संघर्ष महीनों तक खिंचे। मैं चाहता हूं कि आने वाले कुछ हफ्तों के भीतर ही यह पूरी तरह खत्म हो जाए। खबर है कि अमेरिका ने ईरान को एक 15–सूत्रीय शांति प्रस्ताव भेजा है। इसमें ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे को पूरी तरह खत्म करने, मिसाइल रेंज पर पाबंदी लगाने और क्षेत्रीय गुटों को फंडिंग बंद करने जैसी कड़ी शर्तें शामिल हैं। बदले में ट्रंप प्रशासन ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने का लालच दे रहा है। भले ही ट्रंप जल्द शांति चाहते हों, लेकिन जमीन पर स्थिति अभी भी नाजुक है। इस्राइल इस जल्दबाजी से थोड़ा चिंतित दिख रहा है। दूसरी ओर, ईरान के भीतर भी सत्ता के गलियारों में विरोधाभास है। हालांकि, ईरान ने साफ कर दिया है कि वो किसी और के शर्त पर किसी भी हाल में संघर्ष को खत्म नहीं करेगा। इस युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी हिला कर रख दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। ट्रंप जानते हैं कि अगर जल्द ही यह युद्ध खत्म नहीं हुआ, तो इसका असर वैश्विक महंगाई पर पड़ेगा।

27 दिन से बमबारी जारी, दांव पर ट्रंप की इज्जत, शांति बहाली के कोशिश में वेंस के PAK जाने की अटकलें

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान से छिड़ी जंग 27वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से दावा किया है कि तेहरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ युद्ध रोकने को लेकर बातचीत जारी है। हालांकि, ईरान की ओर से संघर्ष विराम को लेकर बातचीत से इनकार किया गया है। युद्ध रोकने के दावों और इनकार की इस हुज्जत में ट्रंप की इज्जत दांव पर लग गई है। वहीं, कई अंतराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान और अमेरिका–इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए कूटनीतिक कोशिशें तेज कर दी

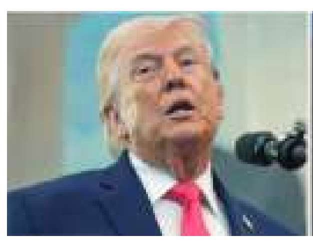

गई हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता करने जा सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार संघर्ष विराम के लिए इसी हफ्ते इस्लामाबाद में जेडी वेंस एक उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हो सकते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वेंस के साथ अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर भी इस बैठक में शामिल होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस ओर संकेत दिए थे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका के साथ शांति वार्ता के लिए जेडी वेंस को अपनी पहली पसंद बताया है। ईरान के अधिकारियों ने कहा कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ या जेरेड कुशनर के साथ बातचीत नहीं करना चाहता। ईरानी अधिकारियों ने साफ किया कि पिछली बार इन नेताओं के साथ बातचीत के कुछ ही समय बाद तेहरान पर सैन्य हमले शुरू हो गए थे। ईरान की ओर से इन अधिकारियों पर भरोसा नहीं जताया गया है। वहीं, जेडी वेंस पहले से ही मध्य पूर्व के संघर्षों में अमेरिका के उलझने के खिलाफ साफ रुख अपनाते रहे हैं।

ईरान का मानना है कि जेडी वेंस इस युद्ध को जल्द खत्म कराने में व्यावहारिक और अहम भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की ओर से इस संभावित बैठक में संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गलिबाफ वार्ता का नेतृत्व कर सकते हैं।

अपने बच्चों को जहन्नुम में न भेजें', अमेरिकी जनता से बोला आईआरजीसी इस्राइल के ईरान पर हमले जारी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संभावित जमीनी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी ने अमेरिका की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को जहन्नुम में न भेजें। वहीं, इस्राइल ने ईरान के कई शहरों पर हमले जारी रखे हैं। आईआरजीसी ने अमेरिका और इस्राइल को आगाह किया है कि वे ईरान की जमीन पर किसी भी संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में न सोचें। आईआरजीसी ने अमेरिका और इस्राइल की जनता को संबोधित एक बयान में कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप के धोखे में अपने बच्चों को नरक में न भेजें। उन्होंने कहा कि हमलावर सैनिक ईरानी राष्ट्र के लाखों लोगों के सागर में डूब जाएंगे और गायब हो जाएंगे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि युद्धक्षेत्र की वास्तविकताओं को तोड़–मरोड़ कर पेश करके लोगों को गुमराह किया जा रहा है। बयान में कहा गया है, युद्ध की सच्चाई आपको अमेरिकी गैस स्टेशनों पर, ईरान की सड़कों पर, तेल अवीव और हाइफा के आसमान में देखनी चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से सैनिकों को मध्य पूर्व में तैनात करने की योजना बना रहा है। इस रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि पेंटागन डिवीजन के कुछ हिस्सों को क्षेत्र में भेजने की योजना बना रहा है, जिसमें एक कमांड और कुछ जमीनी बल शामिल हैं। यह तैनाती अमेरिका की ओर से खर्ग द्वीप पर एक संभावित जमीनी कार्रवाई की ओर इशारा कर रहा है। वहीं, इस्राइली रक्षा बलों ने गुरुवार को कहा कि आईडीएफ ने ईरान के इस्फहान में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। आईडीएफ ने कहा कि उसने ईरानी शासन के बुनियादी ढांचे को कई क्षेत्रों में निशाना बनाया है। इससे पहले इस्राइली वायु सेना ने खुफिया जानकारी के आधार पर कहा था कि उन्होंने रात भर में तेहरान क्षेत्र में ईरानी शासन के हथियार उत्पादन स्थलों को निशाना बनाते हुए हमलों की एक श्रृंखला पूरी की है।

क्या है 82वीं एयरबोर्न डिवीजन: ईरान में उतर सकती है ये टुकड़ी, दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका की जीत में भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका–इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ किए गए हमले और इसके बाद तेहरान की तरफ से किए गए पलटवार का दौर लगातार 26वें दिन भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया था कि उनके कुछ अधिकारी ईरानी शासन के साथ संपर्क में हैं और अगले पांच दिन बातचीत पर जोर देंगे। इस बीच सामने आया

कि ट्रंप ने कुछ समय पहले ही जिन 5000 मरीन्स को ईरान के आसपास तैनाती के लिए भेजने की बात कही थी, वह कुछ समय में ही पश्चिम एशिया में मौजूद होंगे। ऐसे में ईरान से जुड़े विश्लेषकों ने कहा कि ट्रंप पांच दिन बातचीत का बहाना बना रहे हैं, ताकि वह अपनी नई सैन्य टुकड़ियों के जरिए ईरान के खिलाफ नई रणनीति को अंजाम दे पाएं। खबरें आईं कि अमेरिका अपनी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को भी ईरान में उतारने की तैयारी कर रहा है, ताकि संघर्ष में अपने कुछ लक्ष्यों को तुरंत पूरा किया जा सके। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर यह 82वीं एयरबोर्न डिवीजन क्या है? इसके गठन से लेकर इसके संघर्षों में उतरने का इतिहास क्या रहा है? इस डिवीजन को ईरान युद्ध में किस तरह उतारने की चर्चाएं हैं? इस डिवीजन की असली पहचान दूसरे विश्व युद्ध में इसके साहसिक अभियानों से मिली। 6 जून 1944 को डी–डे (ऑपरेशन ओवरलॉर्ड) के दौरान, इसके लगभग 6,400 पैराट्रूपर्स को नाजी–कब्जे वाले फ्रांस के नॉरमैंडी में दुश्मन की सीमा के पीछे पैराशूट से उतारा गया था। इस रणनीति का असर यह हुआ कि जो जर्मन सेना अमेरिका के मित्र देशों की सेना (अलायड फोर्सेज) का सामना करने के लिए बढ़ रही थी, उसके लिए पीछे अमेरिकी सैनिकों का खतरा भी बढ़ गया। ऐसे में जर्मनी के लिए यह दो दिशाओं वाला युद्ध बन गया। दूसरी तरफ अमेरिका ने दुश्मन की धरती पर सैनिक उतारकर अहम पुलों पर कब्जा किया। साथ ही अहम रास्तों को सुरक्षित किया और जर्मन सेना को होने वाली रसद और गोला–बारूद की सप्लाई में बड़ा रोड़ा लगा दिया। 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों ने इस दौरान 33 दिन तक बिना किसी राहत सामग्री के युद्ध किया और जर्मन सेना को उलझाए रखा। डी–डे के अलावा इस डिवीजन ने इटली के सिसिली में ऑपरेशन हस्की, ऑपरेशन मार्केट गार्डन और बैटल ऑफ द बल्ज जैसे प्रमुख अभियानों में भी हिस्सा लिया, जिसने दूसरे विश्व युद्ध की दिशा गठबंधन बलों के रुख में मोड़ने में काफी मदद की। इसकी बहादुरी के लिए इसे प्रेसिडेंशियल यूनिट साइटेशन से भी सम्मानित किया गया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से यह डिवीजन अमेरिका के सबसे प्रमुख सैन्य बल के तौर पर काम कर रही है। इसकी पहचान रैपिड डिप्लॉयमेंट फोर्स की है, यानी इसे बेहद कम समय में किसी भी परिस्थिति के लिए तैनात किया जा सकता है। इस डिवीजन ने कोरिया (अविभाजित), वियतनाम, ग्रेनाडा, खाड़ी युद्ध (ऑपरेशन डेजर्ट शील्ड और डेजर्ट स्टॉर्म), इराक युद्ध और अफगानिस्तान संघर्ष समेत कई प्रमुख सैन्य अभियानों में हिस्सा लिया है। 1990 के दशक में जब सद्दाम हुसैन ने अचानक कुवैत पर हमला कर उसे कब्जे में करने की कोशिश की थी तो अमेरिका की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन ही इराकी सेना के खिलाफ संघर्ष में उतारी गई थी। अपने इस अनुभव और तेज प्रतिक्रिया की क्षमता की वजह से 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को दुनिया के सबसे तेज और आधुनिक फर्स्ट–इन स्ट्राइक फोर्स माना जाता है। तेजी से तैनाती की खूबीरू 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को दुनियाभर में अपनी तेजी के लिए जाना जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, आदेश मिलने के महज 18 घंटे के अंदर यह डिवीजन अपने लगभग 3,000 सैनिकों यानी एक पूरी ब्रिगेड को दुनिया में कहीं भी तैनात करने में सक्षम है। इसकी भूमिका पारंपरिक सैन्य बलों से भी अलग होती है और आमतौर पर आपात स्थिति में ही इसे तैनात किया जाता है। दुश्मन के इलाके में पैराशूट ड्रॉपरू इन सैनिकों को दुश्मन की सीमा के पीछे उन इलाकों में पैराशूट से उतरने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जहां विमानों के लिए कोई सुरक्षित लैंडिंग जोन नहीं होता। इनका प्राथमिक लक्ष्य रणनीतिक बिंदुओं, प्रमुख क्षेत्रों, पुलों और हवाई अड्डों पर तेजी से कब्जा करना होता है। ऑपरेशन्स को आकार देने में भूमिकारू 82वीं एयरबोर्न डिवीजन लंबे और भारी युद्ध अकेले लड़ने के लिए नहीं बनाई गई है। इनका काम सबसे पहले घुसकर शुरुआती अनिश्चित माहौल को स्थिर करना और पीछे से आ रही भारी सेना (जैसे मरीन या बख्तरबंद बल) के लिए सुरक्षित रास्ता बनाना होता है। कम हथियारों वाले पैदल सैनिक, चौकाने की क्षमतारू 82वीं एयरबोर्न डिवीजन की एक खास बात यह है कि यह भारी टैंकों या हथियारों पर निर्भर नहीं रहती। इसके सैनिक पैदल सेना को मिलने वाले मानक हथियारों, टैंक–रोधी प्रणाली और पोर्टेबल संचार उपकरणों से लैस होते हैं।

ट्रंप ने क्यों बताया 'सबसे सही आदमी', तेहरान में कैसा असर, क्या मिलेगी ईरान की कमान?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया की इस्राइल, अमेरिका–ईरान जंग आज अपने 27वें दिन में है। इस युद्ध में अब तक 3,000 से ज्यादा जानें गई हैं और अरबों डॉलर का नुकसान किया है। कच्चे तेल की कीमत असमान छू रही हैं। यह 100 डॉलर के ऊपर बनी हुई हैं। इस संकट के चलते लोखों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया के वे ईरानी शासन के सही लोगों से बता कर रहे है जो कि समझौता करना चाहते है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप जिस श्सही आदमीश की बात कर रहे हैं, वह ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ हैं। 64 साल के गालिबाफ का जन्म 1961 में मशहद के पास हुआ था। वह एक अनुभवी युद्ध सेनानी, लड़ाकू पायलट और सैन्य

खुफिया अधिकारी रहे हैं। उन्होंने 1982 में जहरा सादात मुशीर से शादी की थी और उनके तीन बच्चे हैं। गालिबाफ 12 साल तक तेहरान के मेयर भी रहे हैं। उनके कार्यकाल में शहर के बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ, लेकिन उन पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे। हैरानी की बात यह है कि गालिबाफ ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप को भला–बुरा कह चुके हैं और उन्हें सबक सिखाने की कसम खाई थी। जबकि ट्रंप ने अब उन्हें ही एक श्समझदार और सम्मानितश व्यक्ति बताया है। हालांकि, गालिबाफ ने अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत से साफ इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, "के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। यह फेक न्यूज है। अमेरिका अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए ऐसी खबरें फैला रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करना चाहता है। ट्रंप प्रशासन गालिबाफ को ईरान के नए नेता के रूप में देख रहा है, ठीक वैसे ही जैसे वेनेजुएला में डेल्सी रोड्रिगेज को स्थापित किया गया था। अमेरिका चाहता है कि नया नेता उनके साथ मिलकर तेल और परमाणु मुद्दों पर समझौता करे। गालिबाफ को एक व्यावहारिक नेता माना जाता है, लेकिन वे ईरान के कट्टरपंथी सिस्टम के भी वफादार हैं। उन्होंने 1999 और 2003 में छात्र आंदोलनों को बेरहमी से कुचला था। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि वे अमेरिका की शर्तों को मानेंगे या नहीं। ईरान के भीतर भी अमेरिका को लेकर काफी गुस्सा और अविश्वास है। सिर्फ गालिबाफ ही नहीं, अमेरिका अन्य रास्तों पर भी काम कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच भी सीधी बातचीत हुई है। हालांकि, दोनों में से किसी भी पक्ष ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। अमेरिका ने युद्ध में पांच दिनों के ब्रेक के दौरान इन नेताओं को सुरक्षा गारंटी का भरोसा भी दिया है। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ट्रंप का यह श्ईरान प्रोजेक्टश सफल होगा या जंग और भीषण रूप लेगी।

भारत के साथ खड़ा हुआ एक और देश, ऊर्जा संकट की आशंका के बीच बढ़ाए मदद के हाथ! बढ़ाई एलपीजी की खेप

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत में एलपीजी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच हजारों किलोमीटर दूर बैठे एक मित्र देश ने भारत की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत में एलपीजी आयात प्रभावित हुआ है। इसी के चलते दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना ने भारत की तत्काल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।